www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 201 || लखनऊ
शुक्रवार
23 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:10
सूर्यास्तः 05:30
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 19°00

पेज 07

विशेष समाचार | सिनेमाई पुनर्जागरण: धार्मिक ... >>पेज 04 | सीबीएसई बोर्ड के स्कूलों ... >>पेज 06 | 30 अक्टूबर को दिल्ली में नहीं ...

कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेजे गए आरोपी, कारोबारी की मौत के मामले में जांच जारी

श्रद्धा दुबे समेत तीनों 10 दिन की न्यायिक हिरासत पर

हत्याकांड

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। शिव शर्मा की मौत के मामले में गिरफ्तार श्रद्धा दुबे को 10 दिन की ज्यूडिशियल रिमांड पर लिया गया है। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में वह सहयोग नहीं कर रही है। जांचकर्ताओं को घटना से जुड़ी कड़ियों और फरारी के दौरान मिले कथित मददगारों के बारे में जानकारी जुटानी है। शिव शर्मा हत्याकांड के तीन आरोपी श्रद्धा दुबे, रश्मि दुबे और ड्राइवर दानिश को ट्रांजिट रिमांड पर नागपुर से लखनऊ लाया गया। डीसीपी सेंट्रल अर्पित विजयवर्गीय के मुताबिक, तीनों से विस्तृत पूछताछ की गई है। आरोपियों के पास से बरामद दो मोबाइल फोन और अन्य सामान को सील कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जा रहा है। तीनों को लखनऊ कोर्ट में पेश किया गया है। गुरुवार सुबह 10 बजे जब श्रद्धा हजरतगंज थाने पहुंची, तो अपना मुंह छिपाती दिखी। हाथ उठाकर नजर बचाते हुए थाने के अंदर गई। थाने में श्रद्धा से 6 घंटे 35 मिनट पूछताछ की गई। उसके अलावा बहन रश्मि और ड्राइवर दानिश से भी अलग-अलग पूछताछ हुई। श्रद्धा समेत तीनों आरोपियों को मंगलवार को नागपुर के एक अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया था। लखनऊ में 9 अक्टूबर को कारोबारी शिवा शर्मा की श्रद्धा के फ्लैट से गिरकर मौत हो गई थी। शिवा की मां ने श्रद्धा के खिलाफ हत्या की FIR दर्ज कराई थी, जिसके बाद से श्रद्धा फरार चल रही थी। मॉडल श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि दुबे और ड्राइवर दानिश को अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बलवान कुमार भारती की अदालत में पेश किया गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

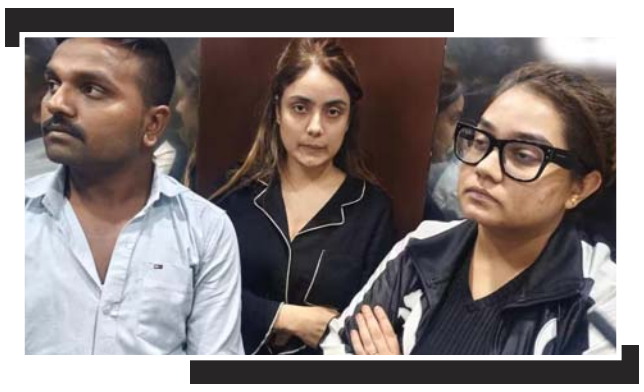

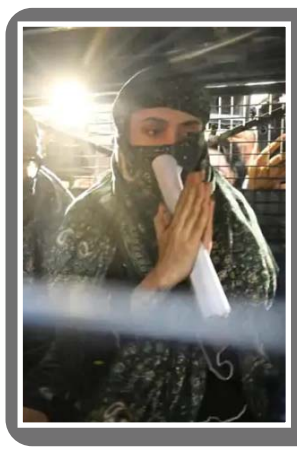

डॉ. बोले- तीनों आरोपियों की मेडिकल जांच में सब सामान्य मिला

लखनऊ के सिविल अस्पताल के निदेशक डॉ. जीपी गुप्ता ने बताया कि पुलिस दो महिलाओं और एक पुरुष समेत तीन आरोपियों को मेडिकल जांच के लिए लाई थी। पुलिस की मौजूदगी में तीनों की मेडिको-लीगल जांच की गई। जांच में सभी के स्वास्थ्य संबंधी मानक सामान्य पाए गए। इसके बाद पुलिस उन्हें अपने साथ ले गई।

डीसीपी सेंट्रल ने कहा- सहयोगियों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी

डीसीपी सेंट्रल अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि शिवा शर्मा हत्याकांड में नागपुर से गिरफ्तार तीनों आरोपियों को रिमांड पर लाकर विस्तृत पूछताछ की गई है। उनके पास से बरामद दो मोबाइल फोन और अन्य सामान को सील कर दिया गया है। इसकी फॉरेंसिक जांच कराई जाएगी। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के लिए भेजा गया है।

भारी पुलिस बल के साथ कोर्ट से बाहर निकलती श्रद्धा

सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान श्रद्धा पुलिस के सामने चुप्पी साधे रही। बार-बार यही कहती रही कि मुझसे नहीं, मेरे वकील से बात करिए। फिर पुलिस तीनों को एक ही वैन में बैठाकर सिविल अस्पताल में मेडिकल कराने ले गई। वहां 35 मिनट तक तीनों का मेडिकल हुआ।

आरोपी मॉडल श्रद्धा दुबे को कोर्ट से कड़ी सुरक्षा के बीच जेल ले जाया जाया गया। कोर्ट से निकलने के बाद श्रद्धा ने पुलिस वैन में मीडिया के सामने हाथ जोड़ लिए।

श्रद्धा ने पुलिस टीम उसे लेकर रवाना हुई। इस दौरान कोर्ट परिसर से लेकर जेल तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिसकर्मी पूरे रास्ते सतर्क हैं और सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रख रहे हैं।

पुलिस की पूछताछ में श्रद्धा ने सिर्फ एक सवाल का जवाब दिया

● शिव शर्मा हत्याकांड मामले में मुख्य आरोपी श्रद्धा दुबे सहित अन्य आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड के बाद यूपी पुलिस और STF की टीम राजधानी लखनऊ के हजरतगंज थाने लेकर पहुंची। 4 घंटे से उससे पूछताछ की जा रही है।

●पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपियों के पास से चार मोबाइल बरामद हुए हैं। कैश भी मिला है। पुलिस ने श्रद्धा से सवाल किया कि बिना एटीएम और बिना यूपीआई यूज किए कैश कहां से आया। श्रद्धा ने चुप्पी साध ली। कोई जवाब नहीं दिया।

●9 तारीख की शाम क्या हुआ था? वारदात के बाद नेपाल कैसे पहुंची? कौन-कौन था साथ? घटना के बाद फ्लैट में कौन-कौन मौजूद था। नेपाल से लखनऊ कब और कैसे पहुंची? श्रद्धा ने सिर्फ इतना कहा- मेरे वकील से बात करिए। मुझसे नहीं।

किताबें पढ़िए, नई तकनीक सीखिए, सवाल पूछिए : राष्ट्रपति

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिन के दौरे पर गुरुवार को रायपुर पहुंचीं। वे इंडोर स्टेडियम में आयोजित 'सेवा सम्मान पर्व' और 'युवा प्रबोधन' कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने युवाओं को सक्सेस टिप्स दिए। कार्यक्रम में विधायक मोतीलाल साहू को VIP गेट से एंट्री नहीं मिली। इसके बाद वे दूसरे गेट से पैदल ही कार्यक्रम स्थल पहुंचे। विधायक संपत अग्रवाल को भी कार्यक्रम स्थल पर जाने से पहले रोक दिया गया था। इसके बाद वे वापस लौट गए। इससे पहले राष्ट्रपति ने लोकभवन में 200 का स्मारक सिक्का जारी किया। सिक्के पर एक तरफ अशोक स्तंभ और दूसरी तरफ शदाणी दरबार की पीठाधीश माता साहिब हासी देवी की तस्वीर है। 35 ग्राम वजनी यह सिक्का 4 धातुओं से मिलकर बना है। इसे ऑनलाइन बुक किया जा सकता है।

सीजेपी के प्रदर्शन में मेरा रोल नहीं : नेहा

सौरव-आशुतोष दिल्ली पुलिस के सामने पेश नहीं हुए

चुनौती

तमसा संकेत, एजेंसी

दिल्ली। AISA अध्यक्ष नेहा बोरा ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में कहा कि 16 अक्टूबर को दिल्ली में हुई CJP की तिरंगा रैली में उनका कोई रोल नहीं था। दरअसल, बोरा ने दिल्ली पुलिस के उस नोटिस को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें जांच के दौरान शांति बनाए रखने के लिए 10,000 का निजी मुचलका और एक जमानतदार देने को कहा गया था। कोर्ट शुक्रवार शाम 6 बजे फैसला सुनाएगा। वहीं, दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका को गुरुवार को राजौरी गार्डन स्थित अपने ऑफिस में पेश होने के लिए समन भेजा था, लेकिन दोनों क्राइम ब्रांच के सामने पेश नहीं हुए। उन्होंने पुलिस से और समय मांगा है। पुलिस उन्हें नया नोटिस जारी करेगी। दोनों नेताओं को कल दिल्ली की स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट (SEM) कोर्ट से जमानत मिली थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

वाराणसी एयर शो में वमिानों की गर्जना से गूंजा मां गंगा का तट

वमिानों का करतब देखने उमड़ा शहर, छतों पर भी जुटी भीड़

करतब

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में एयर शो के पहले दिन नमो घाट पर सेना के सारंग हेलिकॉप्टर्स ने गंगा के ऊपर आसमान में तिरंगा बनाया। राफेल-सुखोई ने हवा में कलाबाजी दिखाई। गुरुवार सुबह 11.50 बजे हुए इस एयर शो में 52 लड़ाकू विमानों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। जगुआर, मिराज-2000, तेजस और मिग-29 ने तीर की नोक के डिजाइन में उड़ान भरी। एयर शो में हेलिकॉप्टर ने गंगाजी पर फूलों की बारिश की। वहीं, चिनूक हेलिकॉप्टर ने गंगा के पानी को टच किया और फिर आसमान में उड़ गया। सारंग हेलिकॉप्टर ने गंगा के ऊपर दिल बनाया। 100 विमानों के इस एयर शो में लड़ाकू विमानों के अलावा 15 परिवहन विमान, 32 हेलिकॉप्टर और विंटेज विमान शामिल रहे। ये विमान देशभर के 12 एयरपोर्ट से उड़ान भरकर पहुंचे हैं।

अलकनंदा के ऊपर वायुसेना का अनोखा नजारा

अलकनंदा क्षेत्र के ऊपर भारतीय वायुसेना के दो चिनूक और दो एएलएच (ALH) मार्क-IV हेलिकॉप्टर्स ने उल्टे 'विक्ट्री फॉर्मेशन' में उड़ान भरी। इस दुर्लभ हवाई संरचना में एक चिनूक हेलिकॉप्टर पीछे की ओर तैनात रहा और विशेष उड़ान का हिस्सा बना। आसमान में हेलिकॉप्टर्स की इस अनूठी संरचना ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

फास्ट न्यूज

दिल्ली पुलिस ने आमिर शौकीन को गिरफ्तार किया

दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने आमिर शौकीन को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई त्रिपुरा के एक युवक को नस्लीय गालियां देने के मामले में हुई। मामला सदर बाजार पुलिस स्टेशन में दर्ज है। पुलिस ने भारतीय न्याय की धाराओं 192, 196, 352 और 353 के तहत केस दर्ज किया है।

'आजम 11 महीने बाद याद आए' सवाल पर भड़के अखिलेश

रामपुर। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को रामपुर जेल में आजम खान से मुलाकात की। जेल प्रशासन ने मुलाकात के लिए 45 मिनट का समय दिया था, लेकिन दोनों के बीच 1 घंटा 9 मिनट तक बातचीत हुई। मुलाकात के बाद अखिलेश ने कहा, "रामपुर, जिसके नाम में ही राम है, वहां रामराज्य की भावना को मार दिया गया है। रामराज्य की भावना को कुचला जा रहा है।" उन्होंने कहा, "आजम थे, आजम हैं और आजम रहेंगे। फर्जी मुकदमों में इतनी ताकत नहीं कि उन्हें जेल में रख सकें।"

गुजरात के स्कूलों में बिना इजाजत नहीं मिलेगी एंट्री

अहमदाबाद। गुजरात सरकार ने सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों के प्रवेश को लेकर नया परिपत्र जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट के नियमों का हवाला देते हुए शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों में प्रवेश को लेकर पूरी गाइडलाइन्स जारी की है। नए नियम के तहत किसी भी बाहरी व्यक्ति को स्कूल परिसर में प्रवेश के लिए प्रधानाचार्य/संस्था प्रमुख की पूर्व लिखित अनुमति लेनी होगी।

ब्रह्मोस-एनजी से बढ़ेगी भारत की हवाई ताकत

सुखोई पर लगेंगी तीन मिसाइलें

स्वदेशी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस का हल्का और आधुनिक संस्करण ब्रह्मोस-नेक्स्ट जेनरेशन (NG) विकसित किया जा रहा है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस 2027-2028 तक इसका पहला प्रोटोटाइप तैयार करने का लक्ष्य रख सकता है। नई मिसाइल का वजन करीब 1.3 टन प्रस्तावित है, जबकि मौजूदा ब्रह्मोस का वजन लगभग तीन टन बताया जाता है। वजन कम होने से लड़ाकू विमानों पर एक से अधिक मिसाइल ले जाने की क्षमता बढ़ सकती है।

>> (शेष पेज 06 पर)

विदेशी सेनाओं ने दिखाई रुचि

डॉ. जोशी के अनुसार, कुछ देशों ने लड़ाकू विमान से लॉन्च की जाने वाली ब्रह्मोस को अपनी वायुसेना में शामिल करने में रुचि दिखाई है। इन देशों के पास सुखोई-30 विमान हैं। कुछ अन्य देशों ने ब्रह्मोस-NG में भी दिलचस्पी जताई है। इसका विकास पहले विमान से लॉन्च किए जाने वाले संस्करण के रूप में किए जाने की योजना है।

राहुल का नाम लिए बिना कहा- प्रदर्शन और धरने से कुछ नहीं होगा, जनता के बीच जाएं

कांग्रेस 30 साल तक सत्ता में नहीं आएगी : अमित शाह

निशाना

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (AAP) पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदर्शन और धरने करने से कुछ हासिल नहीं होता। चुनाव जीतने के लिए जनता के बीच जाना, उनकी समस्याओं को समझना और कल्याणकारी योजनाओं पर काम करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि विपक्ष राजनीतिक रणनीति और भीड़ के दम पर जनता के जनादेश को चुनौती नहीं दे सकता। शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए दावा किया कि अपनी नकारात्मक राजनीति के कारण पार्टी अगले 30 साल तक सत्ता में नहीं आ पाएगी।

दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई

प्रदर्शन को लेकर दिल्ली में बैरिकेडिंग की गई थी। दी गई जानकारी के अनुसार, इस दौरान 45 मेट्रो स्टेशन बंद रहे और 7,000 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। प्रदर्शन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर राजनीतिक बहस के बीच अमित शाह ने विपक्ष को जनता के बीच जाकर काम करने की नसीहत दी।

एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे को लेकर प्रदर्शन

विपक्षी दलों ने विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में प्रदर्शन किए थे। दी गई जानकारी के मुताबिक, INDIA ब्लॉक के नेताओं ने 6 से 13 अक्टूबर के बीच आठ बार प्रदर्शन किया। वहीं, कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) और वामपंथी दलों ने भी 10 अक्टूबर को इसी मुद्दे पर प्रदर्शन का आह्वान किया था। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इस प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी।

दिल्ली जल बोर्ड की 33 परियोजनाओं की शुरुआत

कार्यक्रम के दौरान अमित शाह ने दिल्ली जल बोर्ड की 8,941 करोड़ रुपये की 33 परियोजनाओं की शुरुआत की।

ये परियोजनाएं यमुना के पुनर्जीवन और दिल्ली की जल व्यवस्था से जुड़े प्रयासों का हिस्सा हैं।

इस मौके पर शाह ने विपक्ष की राजनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि जनता का समर्थन हासिल करने के लिए लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याओं पर काम करना जरूरी है।

विवाद : माइक्रोफोन तोड़ने और फाइलें फेंकने की कोशिश की, मार्शल्स मेयर को बचाकर बाहर ले गए

दिल्ली नगर निगम में हंगामा, बीजेपी-आप के पार्षद भिड़े

तमसा संकेत, एजेंसी

दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के सदन में शुक्रवार को प्रदूषण पर बहस के दौरान हंगामे हो गया। इस दौरान पार्षदों ने माइक्रोफोन तोड़ने और फाइलें फेंकने की कोशिश की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली में प्रदूषण से कैसे निपटा जाए, इस पर सदन में चर्चा होनी थी। लेकिन बैठक शुरू होते ही जोरदार हंगामा, धक्का-मुक्की और तोड़फोड़ में बदल गई। भाजपा और आप के पार्षदों ने एक-दूसरे पर चिल्लाया, पानी फेंका और फाइलें उड़ाईं। इसमें कांग्रेस के पार्षद भी शामिल थे। हालात इतने बिगड़ गए कि मार्शलों को बीच-बचाव करके मेयर प्रवेश वाही को सुरक्षित बाहर निकालना पड़ा। विवाद तब और बढ़ गया जब कांग्रेस नेता नाजिया दानिश और आप के अंकुश नारंग आपस में भिड़ गए। दानिश ने आप पर सवाल उठाए, तो नारंग ने उन पर भाजपा से मिले होने का आरोप लगा दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)

हंगामें के दौरान आप पार्षद शगुफ्ता जुबैर मेयर की कुर्सी तक पहुंच गईं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि उन्होंने वहां लगा माइक तोड़ने की कोशिश की। विपक्ष के नेता अंकुश नारंग पर भी माइक को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगा।

सदन में स्थिति को संभालने के लिए मार्शलों को अंदर आना पड़ा।

दावा- आप पार्षदों ने ₹1 करोड़ की मांग की

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सारा विवाद तब शुरू हुआ जब आप पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों के विकास के लिए तुरंत फंड जारी करने की मांग की। इस पर मेयर वाही ने तुरंत 25 लाख रुपए देने का ऐलान किया और कहा कि इस वित्तीय वर्ष में पार्षदों को कुल 2 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। मेयर के इस ऐलान से भी विपक्ष शांत नहीं हुआ। आप पार्षदों की मांग थी कि तुरंत मिलने वाले इस फंड को बढ़ाकर कम से कम 1 करोड़ रुपए किया जाए। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद और बढ़ गया।

सोनिया गांधी पहली बार सोशल मीडिया पर

नई किताब का वीडियो शेयर किया, यह 10 नवंबर को लॉन्च होगी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने गुरुवार को पहली बार अपना इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया। उन्होंने अपनी पहली पोस्ट में आने वाली किताब 'Belonging: A Journey of Love' का वीडियो शेयर किया। यह किताब 10 नवंबर को लॉन्च होगी। सोनिया ने पहली पोस्ट गुरुवार सुबह 9 बजे की थी। इसमें लिखा कि नमस्कार, 'मैं अपनी किताब आप सभी के साथ साझा करके खुश हूं। यह प्यार, कर्तव्य, अपनों को खोने और अपनेपन की जगह तलाशने की कहानी है। मैं इसे आप सबके साथ साझा करने के लिए उत्सुक हूं।' वीडियो में सोनिया अपने करीबियों और बेटी प्रियंका गांधी के साथ नजर आ रही हैं। इस दौरान प्रियंका ने मां को मिठाई भी खिलाई। किताब में सोनिया ने इटली में बिताए बचपन से लेकर कैंब्रिज में राजीव गांधी से मुलाकात तक का जिक्र किया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

किसानों के हितों की रक्षा एवं धान खरीद की सुचारु व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता-खाद्य एवं रसद मंत्री मनोज कुमार पाण्डेय

राइस मिलर्स संघों की समस्याओं पर खाद्य एवं रसद मंत्री ने किया व्यापक विचार-विमर्श

बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति मंत्री मनोज कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में आज बापू भवन स्थित उनके कार्यालय में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत धान खरीद व्यवस्था को सुचारु, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाए जाने के उद्देश्य से मान्यताप्राप्त राइस मिलर्स संघों के प्रतिनिधियों तथा विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में प्रदेश के विभिन्न राइस मिलर्स संघों के प्रतिनिधियों ने धान खरीद नीति, चावल की रिकवरी, प्रोत्साहन राशि, मिलों के सम्बद्धीकरण, कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) के सम्प्रदान, भण्डारण, परिवहन, होल्डिंग चार्ज एवं लंबित भुगतान सहित विभिन्न विषयों पर अपनी समस्याएँ एवं सुझाव प्रस्तुत किए। माननीय मंत्री जी ने सभी प्रतिनिधियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित अधिकारियों को प्रस्तुत माँगों का नियमानुसार परीक्षण कर सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रोत्साहन राशि, चावल रिकवरी, सीएमआर सम्प्रदान, मिलों के सम्बद्धीकरण एवं बकाया भुगतान से संबंधित माँगों पर हुआ विस्तृत मंथन

किसानों एवं राइस मिलर्स के हितों में संतुलन बनाकर धान खरीद व्यवस्था को अधिक सरल, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया जाए-खाद्य एवं रसद मंत्री

मंत्री जी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों के हितों के संरक्षण, उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने तथा धान खरीद व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राइस मिलर्स धान खरीद एवं चावल आपूर्ति व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं तथा उनकी व्यावहारिक समस्याओं का समाधान किया जाना आवश्यक है। माननीय मंत्री जी ने कहा कि विभागीय व्यवस्थाओं से संबंधित कठिनाइयों का निष्पक्ष परीक्षण किया जाए तथा जिन मामलों में राइस मिलर्स की ओर से कोई त्रुटि नहीं पाई जाती, उनमें नियमानुसार उचित समाधान की कार्रवाई की जाए।

प्रक्रिया को अधिक सरल एवं व्यावहारिक बनाए जाने पर भी चर्चा

बैठक में मिलों के ऑनलाइन सम्बद्धीकरण की प्रक्रिया को अधिक सरल एवं व्यावहारिक बनाए जाने पर भी चर्चा हुई। राइस मिलर्स संघों ने स्वचालित सम्बद्धीकरण के साथ स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप मैनुअल सम्बद्धीकरण का विकल्प उपलब्ध कराने का सुझाव दिया। मंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सम्बद्धीकरण संबंधी व्यवस्थाओं का परीक्षण कर धान खरीद कार्य में अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न न होने दिया जाए। राइस मिलर्स प्रतिनिधियों द्वारा पूर्ववर्ती क्रय वर्ष में भारतीय खाद्य निगम के गोदामों में स्थान की अनुपलब्धता, फोर्टिफाइड राइस कर्नेल (एफआरके) एवं बोरियों की कमी तथा अन्य व्यवस्थागत कारणों से सीएमआर सम्प्रदान में हुए विलम्ब का विषय भी उठाया गया। प्रतिनिधियों ने ऐसे मामलों में लंबित प्रोत्साहन राशि के भुगतान, होल्डिंग चार्ज एवं अन्य कटौतियों से राहत प्रदान करने का अनुरोध किया।

अपने-अपने प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए

बैठक में राइस मिलर्स संघों द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समाप्त की गई प्रोत्साहन राशि को पुनः लागू करने तथा उसमें वृद्धि किए जाने की माँग प्रमुखता से उठाई गई। विभिन्न संघों ने प्रोत्साहन राशि रू0 35 प्रति कुंतल से बढ़ाकर रू0 50 तथा रू0 100 प्रति कुंतल किए जाने के संबंध में अपने-अपने प्रस्ताव प्रस्तुत किए। माननीय मंत्री जी ने अधिकारियों को इन प्रस्तावों का वित्तीय एवं नीतिगत परीक्षण करने के निर्देश दिए। राइस मिलर्स प्रतिनिधियों ने हाइब्रिड धान की कुटाई में चावल की रिकवरी संबंधी व्यावहारिक कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए वर्तमान 1.5 प्रतिशत की छूट को बढ़ाकर 2 प्रतिशत किए जाने तथा क्षतिपूर्ति संबंधी प्रावधानों की समीक्षा का अनुरोध किया। मंत्री जी ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित मानकों एवं लागू नीतियों के आलोक में इन माँगों का परीक्षण करने के निर्देश दिए।

फास्ट न्यूज

बेकाबू थार ने 5 लोगों को रौंदा

लखनऊ । लखनऊ में बुधवार देर रात बस से टक्कर के बाद एक थार बेकाबू हो गई। थार ने कई बाइक सवारों और पैदल जा रहे लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में पांच लोग घायल हो गए। घटना के बाद थार चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। हादसे से गुस्साए लोगों ने ईंट और डंडों से थार में तोड़फोड़ की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गाड़ी को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

मतदान दिवस को विशेष आकस्मिक अवकाश

लखनऊ। रिटर्निंग ऑफिसर/मण्डलायुक्त लखनऊ द्वारा बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में सामान्य प्रशासन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी विज्ञप्ति दिनांक 13 अक्टूबर, 2026 के अनुसार लखनऊ खण्ड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन के अन्तर्गत उक्त सभी कर्मचारी, जो स्नातक तथा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के बोनाफाइड मतदाता है, को मताधिकार के प्रयोग हेतु मतदान दिवस दिनांक 23.10.2026 को विशेष आकस्मिक अवकाश अनुमन्य होगा। । अतः खण्ड स्नातक व खण्ड शिक्षक के सभी वैध वोटरों के लिये दिनांक 23.10.2026 को अवकाश है।

भाषा विश्वविद्यालय में विधिक कार्यशाला

लखनऊ । लखनऊ में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के निशुल्क विधिक सहायता केंद्र और एनजीओ AALI के संयुक्त तत्वावधान में 22 अक्टूबर को 'जेंडर और पितृसत्ता को समझना' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में विशेषज्ञ नेहा तिवारी और मंतशा ने लैंगिक असमानता, पितृसत्तात्मक व्यवस्था, सामाजिक रूढ़ियों और भेदभाव से जुड़े मुद्दों पर विचार रखे।

लखनऊ में आज 12वीं तक के स्कूल बंद

सभी यूनिवर्सिटी-कॉलेजों में भी छुट्टी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में विधान परिषद चुनाव के मतदान के चलते 23 अक्टूबर को स्कूल-कॉलेज और विश्वविद्यालय बंद रहेंगे। जिले में नर्सरी से कक्षा 12 तक के स्कूलों के साथ सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और प्राइवेट डिग्री कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में विशेष अवकाश घोषित किया गया है। इस संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक और क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी ने आदेश जारी किए हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विपिन कुमार के आदेश के मुताबिक, जिले में कक्षा नर्सरी से 12वीं तक के सभी परिषदीय, माध्यमिक, मान्यता प्राप्त और सहायता प्राप्त स्कूल बंद रहेंगे। इसमें CBSE, ICSE और अन्य बोर्ड से संचालित स्कूल भी शामिल हैं। सभी स्कूलों को आदेश का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि लखनऊ खंड शिक्षक निर्वाचन और लखनऊ खंड स्नातक निर्वाचन के मतदान के कारण 23 अक्टूबर को जिले के सभी राजकीय, अशासकीय और स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में विशेष अवकाश रहेगा।

एमएलसी चुनाव की वोटिंग के चलते जारी हुआ आदेश

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के 37वें स्थापना दिवस पर 27 अक्टूबर को आयोजित होगी राष्ट्रीय संगोष्ठी

महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने साझा की अनुसंधान एवं नवाचारों की रूप-रेखा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के 37वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आगामी 27 अक्टूबर 2026 को आयोजित होने वाली एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की रूप-रेखा और परिषद की शोध उपलब्धियों को साझा करने हेतु गुरुवार को उपकार सभागार (करियप्पा मार्ग, आलमबाग) लखनऊ में एक विशेष प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उपकार के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने बताया कि इस वर्ष राष्ट्रीय संगोष्ठी का मुख्य विषय ₹उत्पादकता से आगेः उत्तर प्रदेश की कृषि के भविष्य की पुनर्कल्पनाह निर्धारित किया गया है। संगोष्ठी का भव्य आयोजन 27 अक्टूबर को आईसीएआर-भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (IISR), रायबरेली रोड, लखनऊ के सभागार में संपन्न होगा। महानिदेशक ने बताया कि संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में केवल

विकास गुप्ता द्वारा हुआ कार्यक्रम का संबोधन

महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने बताया कि 27 अक्टूबर को आयोजित होने वाले उद्घाटन सत्र में प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, उद्यान एवं कृषि विपणन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह, उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष आचार्य श्याम बिहारी गुप्ता, कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार तथा कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के प्रमुख सचिव डॉ. एम. के. शनमुगा सुंदरम प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम का स्वागत संबोधन उपकार के अध्यक्ष कैप्टन विकास गुप्ता द्वारा दिया जाएगा। इस अवसर पर शोध पुस्तकों का विमोचन तथा कृषि वैज्ञानिकों व प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया जाएगा।

"उत्पादकता से आगेः उत्तर प्रदेश की कृषि के भविष्य की पुनर्कल्पना" विषय पर देशभर के वैज्ञानिक और नीति-निर्माता करेंगे मंथन

पराली प्रबंधन के लिए 'हेलोकेयर' बायो-फॉर्मूलेशन, कालानमक की उन्नत किस्में और मक्का-मिलेट्स पर परिषद ने हासिल की ऐतिहासिक उपलब्धियां

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही होंगे मुख्य अतिथि, 27 अक्टूबर को भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में जुटेगा कृषि जगत

फसल उत्पादन बढ़ाने तक सीमित न रहकर जलवायु परिवर्तन के अनुकूल खेती, डिजिटल तकनीक, फसल अवशेष प्रबंधन, मूल्य संवर्धन, प्राकृतिक खेती और कृषक उत्पादक संगठनों के माध्यम से किसानों की आय में स्थायी वृद्धि की ठोस रणनीतियां तैयार करना है।

पांच समानांतर तकनीकी सत्र आयोजित

संगोष्ठी के दौरान कृषि क्षेत्र की समकालीन चुनौतियों और भविष्य की प्राथमिकताओं पर पांच समानांतर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें जलवायु अनुकूल प्रजनन तकनीक सत्र के अंतर्गत मौसमी फसलों की उत्पादकता और किस्म सुधार पर विशेषज्ञों का विमर्श होगा। डिजिटल कृषि एवं पादप सुरक्षा सत्र में तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए सटीक व सुरक्षित फसल प्रबंधन पर चर्चा की जाएगी। प्राकृतिक संसाधनों का इष्टतम प्रबंधन सत्र के माध्यम से टिकाऊ और अधिकतम उपज के लिए मृदा व जल संसाधनों का वैज्ञानिक उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा।

यूपी एमएलसी चुनाव के चलते फैसला, मॉडल शॉप भी नहीं खुलेंगी

23 और 27 अक्टूबर को शराब दुकानें बंद रहेंगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी में लखनऊ समेत 72 जिलों में 23 और 27 अक्टूबर को शराब की दुकानें बंद रहेंगी। लखनऊ डीएम ने बताया कि यह फैसला शिक्षक और स्नातक एमएलसी चुनाव के मद्देनजर लिया गया है। इस दौरान शराब की दुकानों के साथ बार, मॉडल शॉप और सैन्य कैंटीन में भी शराब की बिक्री नहीं होगी। कल, शुक्रवार को विधान परिषद (MLC) की कुल 11 सीटों पर मतदान होंगे। 27 अक्टूबर को वोटों की गिनती की जाएगी। कानपुर, कानपुर देहात और उन्नाव में आचार संहिता लागू नहीं है। इसलिए यहां न वोटिंग होगी और न ही शराब की दुकानें बंद रहेंगी।

कानपुर में स्नातक और शिक्षक एमएलसी चुनाव फरवरी 2023 में हुए थे। इनमें शिक्षक सीट से राजबहादुर सिंह चंदेल और स्नातक सीट से अरुण पाठक जीते थे। उनका कार्यकाल 2029 तक है।

विधान परिषद की जिन 11 सीटों पर चुनाव घोषित हुआ है, उनमें 5 स्नातक खंड की और 6 शिक्षक खंड की सीटें हैं।

5 स्नातक सीटें : लखनऊ मंडल, वाराणसी मंडल, आगरा मंडल, मेरठ मंडल और इलाहाबाद-झांसी मंडल। इनमें से इलाहाबाद-झांसी और वाराणसी सीट सपा के कब्जे में है। बाकी 3 सीटों पर भाजपा का कब्जा है। 6 शिक्षक सीटें : लखनऊ खंड, वाराणसी खंड, आगरा खंड, मेरठ खंड और बरेली-मुरादाबाद खंड (2 सीटें)। इनमें से 3 सीटों पर भाजपा, 1 पर सपा, 1 पर शिक्षक समूह और 1 पर निर्दलीय का कब्जा है।

10 लाख वोटर तय करेंगे दिग्गजों की साख

इस 'मिनी-जनादेश' में 10 लाख से ज्यादा वोटर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। स्नातक क्षेत्र का वोटर बनने के लिए डिग्री हासिल किए 3 साल पूरे होना जरूरी हैं। जबकि शिक्षक क्षेत्र में सिर्फ पढ़ा रहे शिक्षक ही वोट डाल सकते हैं। 22 से 35 साल के वोटर निर्णायकः उम्मीदवारों ने इस बार युवाओं, रिटायर्ड कर्मचारियों, भूतपूर्व सैनिकों, महिलाओं और शिक्षकों का बड़े पैमाने पर रजिस्ट्रेशन कराया है। इनमें सबसे ज्यादा संख्या 22 से 35 साल के युवा मतदाताओं की है। युवाओं को साधने की होड़ : सपा जहां बेरोजगारी, पुरानी पेंशन (OPS) और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर युवाओं और कर्मचारियों को साध रही है। वहीं, योगी सरकार अपनी उपलब्धियों और पारदर्शी भर्तियों के दम पर वोट मांग रही है।

एलडीए इंजीनियरों के वायरल वीडियो की जांच करेगी समिति

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) के इंजीनियरों से जुड़े कथित लेनदेन के वायरल वीडियो की सत्यता की जांच कराई जाएगी। वीडियो में अवैध निर्माण कराने के एवज में लेनदेन का मामला सामने आने के बाद एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने जांच समिति गठित करने के आदेश जारी किए हैं। समिति वीडियो की सत्यता और पूरे मामले की जांच कर एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट वीसी को सौंपेगी। एलडीए वीसी के आदेश पर अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा की अध्यक्षता में जांच समिति बनाई गई है। इसमें प्रभारी अधिकारी अधिष्ठान, ओएसडी आईटी देवांश त्रिवेदी और अधिशासी अभियंता मनोज सागर को सदस्य बनाया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एलडीए के जिन इंजीनियरों के दिखाई देने का दावा किया जा रहा है, उनकी पहचान जोनल अधिकारी एम. सिंह और अवर अभियंता आर. विश्वकर्मा के रूप में बताई जा रही है।

राजधानी में किसानों को पुलिस ने रोका हाईवे जाम

चकबंदी आयुक्त कार्यालय का घेराव करने निकले

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। लखनऊ में चकबंदी आयुक्त कार्यालय का घेराव करने जा रहे सोनभद्र के किसानों को पुलिस ने सभा खेड़ा गांव के पास बैरिकेडिंग लगाकर रोक लिया। मौके पर पहुंचे एडीसीपी साउथ रल्लापल्ली वसंथ कुमार समेत पुलिस अधिकारियों ने किसान नेताओं को समझाया। इसके बाद किसानों को कल्ली पश्चिम की ओर भेज दिया गया। किसान 521 दिनों से सोमभद्र में धरना दे रहे थे। अब किसान पैदल और ट्रैक्टरों से कल्ली पश्चिम के पीछे नहर के रास्ते वृंदावन मैदान पहुंचेंगे। इससे पहले कल्ली पश्चिम के पास रोके जाने पर किसानों ने नारेबाजी की, जिससे सड़क पर जाम लग गया था। मौके पर एडीसीपी साउथ रल्लापल्ली वसंथ कुमार और एसीपी गोसाईंगंज ऋषभ यादव भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। पुलिस ने किसानों को

समझाकर ट्रैफिक सामान्य कराने की कोशिश की। भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति (अ.रा.) के नेतृत्व में किसान सोनभद्र से लखनऊ पहुंचे हैं। किसान करीब 521 दिनों से चकबंदी में गड़बड़ी के खिलाफ धरना दे रहे थे। उनका आरोप है कि सोनभद्र जिले की घोरावल तहसील के मैंसवार गांव में चकबंदी प्रक्रिया के दौरान अधिकारियों ने गंभीर गड़बड़ी की है। किसानों का कहना है कि चकबंदी से जुड़ी समस्याओं को लेकर कई बार संबंधित कार्यालय में अधिकारियों से बातचीत की गई, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला।

समझौता : स्थानीय स्तर पर युवाओं को मिलेंगी नौकरियों की जानकारी

योगी सरकार में हुनर को रोजगार से जोड़ने की डिजिटल पहल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में कौशल विकास को रोजगार से जोड़ने और युवाओं के लिए अवसरों की उपलब्धता बढ़ाने की दिशा में तकनीक आधारित पहल को विस्तार दिया जा रहा है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (यूपीएसडीएम) के 'Blue DotsAI' प्लेटफॉर्म को प्रदेश के सभी 18 मंडलों तक पहुंचाने की तैयारी है। इसके माध्यम से स्थानीय स्तर पर उपलब्ध नौकरियों और हुनरमंद युवाओं को एक साझा डिजिटल मंच पर लाया जाएगा, ताकि युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार तलाशने में आसानी हो और उद्योगों को अपनी जरूरत के मुताबिक योग्य उम्मीदवार मिल सकें।

मिशन निदेशक पुलकित खरे के निर्देशन में गुरुवार को उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन और एक स्टेप फाउंडेशन के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इसके साथ जून से संचालित इस पहल को औपचारिक रूप से मिशन से जोड़ दिया गया है। यह पहल प्रदेश में कौशल प्रशिक्षण को उद्योगों की वास्तविक मांग से जोड़ने तथा रोजगार तलाशने की प्रक्रिया को अधिक सुलभ बनाने के प्रयासों को गति देगी।

यूपी के 18 मंडलों में शुरू होगा 'ब्लू डॉट्स एआई'

डिजिटल मैप पर दिखेंगी वैकेंसी और हुनरमंद उम्मीदवार

यूपीएसडीएम और एक स्टेप फाउंडेशन के बीच एमओयू, एआई वॉइस बॉट से नौकरी तलाशने और आवेदन में मिलेगी मदद

'Blue DotsAI' एक डिजिटल डिस्कवरी प्लेटफॉर्म है, जहां मैप के माध्यम से आसपास उपलब्ध नौकरियों और उम्मीदवारों की जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। गाजियाबाद में इसके पायलट प्रोजेक्ट के दौरान 20 से 25 किलोमीटर के दायरे में 25 हजार से अधिक नौकरियों को मैप पर खोजने योग्य बनाया गया है। अब इसी अनुभव के आधार पर प्लेटफॉर्म का विस्तार प्रदेश के सभी 18 मंडलों में करने की योजना है। इसके माध्यम से युवा संबंधित कंपनी, रिक्त पदों की संख्या, शुरुआती वेतन, ओवरटाइम तथा पिक-अप और ड्रॉप जैसी सुविधाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

प्रमुख विशेषता एआई आधारित वॉइस बॉट

'Blue DotsAI' की प्रमुख विशेषता एआई आधारित वॉइस बॉट है। इसके जरिए कंपनियां और इंडस्ट्री एसोसिएशन हिंदी, अंग्रेजी या अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में बोलकर अपनी भर्ती संबंधी जरूरतें दर्ज करा सकेंगे। इससे वैकेंसी की जानकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने की प्रक्रिया आसान होगी। वहीं, एआई वॉइस बॉट उम्मीदवारों से संपर्क कर उनकी प्रोफाइल के अनुरूप उपलब्ध नौकरियों की जानकारी दे सकेगा। उम्मीदवार की सहमति से आवेदन प्रक्रिया में भी सहायता मिलेगी। इसके साथ काउंसलिंग, मॉक इंटरव्यू और इंडस्ट्री एसोसिएशन के साथ सीधे संवाद की व्यवस्था के माध्यम से युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करने पर भी जोर दिया जाएगा।

नीट में एडमिशन के नाम पर 36 लाख की ठगी इंस्टाग्राम पर दिखा था विज्ञापन

लखनऊ में फर्जी अलॉटमेंट लेटर और फीस रसीद थमाया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ की रहने वाली महिला से बेटी का नीट के जरिए सरकारी मेडिकल कॉलेज में एडमिशन दिलाने के नाम पर 36.89 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने इंस्टाग्राम पर विज्ञापन देकर महिला से संपर्क किया। खुद को एडमिशन काउंसलर बताकर बेंगलुरु मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (BMCRI) में दाखिला दिलाने का भरोसा दिया। ठगों ने फर्जी अलॉटमेंट लेटर और फीस की रसीद भी भेजी।

महिला के मुताबिक, आरोपियों ने अलग-अलग बैंक खातों में 36.89 लाख रुपये ट्रांसफर कराए, जबकि 10 लाख रुपये हवाला के जरिए नकद लिए। 10 अक्टूबर को जब महिला बेटी का एडमिशन कराने

बेंगलुरु पहुंचीं, तब उन्हें ठगी का पता चला। पीड़िता के अनुसार, आरोपियों ने शुरुआत में सरकारी मेडिकल कॉलेज में डोनेशन या इंस्टीट्यूट लेवल कोटे से प्रवेश दिलाने का भरोसा दिया। इसके लिए बेंगलुरु मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के नाम से दस्तावेज और ई-मेल भी भेजे गए। आरोपियों ने पहले 30 लाख रुपए में प्रवेश दिलाने की बात कही, लेकिन बाद में डोनेशन के नाम पर 45 लाख रुपए की मांग करने लगे।

इंस्टाग्राम पर विज्ञापन देखकर किया संपर्क

ग्रीनवुड अपार्टमेंट निवासी सुमन कटियार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी बेटी को 1 अक्टूबर 2026 को इंस्टाग्राम पर 'डॉक्टर एडमिशन डेस्क' नाम से एक विज्ञापन दिखा था। विज्ञापन पर आवेदन करने के बाद उन्हें व्हाट्सएप के जरिए विजय कुमार, अभिषेक कुमार और तरुण कुमार के मोबाइल नंबर दिए गए। महिला ने बताया कि तीनों से संपर्क करने पर उन्होंने खुद को एडमिशन काउंसलर बताया। आरोपियों ने दावा किया कि वे पिछले चार-पांच साल से मेडिकल कॉलेजों में दाखिला दिलाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने बेटी का बेंगलुरु मेडिकल कॉलेज में एडमिशन कराने का भरोसा दिया।

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर की थी पति की हत्या, शव बॉक्स में बंद कर हाईवे किनारे फेंका

सोनू हत्याकांड में पत्नी समेत तीन जेल भेजे गए

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में हाईवे किनारे लोहे के बॉक्स में मिले सोनू के शव के मामले में पुलिस ने उसकी पत्नी नेहा रावत समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गुरुवार शाम सीजेएम कोर्ट में पेशी के बाद तीनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया। वहीं, मामले में शामिल एक बाल अपचारी को पुलिस ने संरक्षण में लिया है। पुलिस के मुताबिक, नेहा ने पड़ोसी किराएदार जितेंद्र सिंह उर्फ राहुल के साथ मिलकर पति की हत्या की और शव को लोहे के बॉक्स में बंद कर

हाईवे किनारे फेंक दिया। मंगलवार रात सदर कोतवाली क्षेत्र में हाईवे किनारे पड़े लोहे के बॉक्स में सोनू का खून से लथपथ शव मिला था। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। एसएसपी जयप्रकाश सिंह के निर्देश पर पांच टीमें गठित की गईं। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और एनपीआर कैमरों की फुटेज खंगाली।

पुलिस ने दावा किया कि तौहीद के पास से 4 हजार रुपये और बाल अपचारी के पास से 4200 रुपये बरामद हुए हैं। पुलिस इन बरामद रुपयों और हत्याकांड में आरोपियों की भूमिका से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।

लोडर मालिक की भूमिका की जांच जारी

पुलिस के मुताबिक, लोडर मालिक एवं चालक राजेश गुप्ता की भूमिका की जांच अभी जारी है। उसकी संलिप्तता की पुष्टि होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले में गिरफ्तार नेहा रावत, जितेंद्र सिंह उर्फ राहुल और तौहीद को गुरुवार शाम जेल भेज दिया गया, जबकि बाल अपचारी पुलिस संरक्षण में है।

लोडर की फुटेज से 12 घंटे में खुला हत्याकांड

पुलिस के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज में एक लोडर लोहे का बॉक्स लेकर आता दिखाई दिया। इसी सुराग के आधार पर पुलिस वाहन मालिक राजेश गुप्ता तक पहुंची। जांच के दौरान नेहा रावत, जितेंद्र सिंह उर्फ राहुल और तौहीद की भूमिका सामने आई। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया। मामले में एक बाल अपचारी को भी संरक्षण में लिया गया है।

लोढ़ा-बट्टा से हमला, फिर कंबल से मुंह दबाने का आरोप

पुलिस का दावा है कि दरमियानी रात नेहा और जितेंद्र ने सोनू पर लोढ़ा-बट्टा से हमला किया। इसके बाद कंबल से उसका मुंह और नाक दबा दिए। सोनू की मौत के बाद शव को चादर और कंबल में लपेटकर लोहे के बॉक्स में रखा गया। पुलिस के अनुसार, तौहीद और बाल अपचारी की मदद से बॉक्स को लोडर में रखा गया और हाईवे किनारे छोड़ दिया गया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल लोढ़ा-बट्टा, लोडर और लोहे का बॉक्स बरामद करने की बात कही है।

एलटी लाइन की चपेट में आने से युवक की मौत

बाराबंकी। बाराबंकी के परसा गांव में गुरुवार सुबह बिजली के तार की चपेट में आने से 28 वर्षीय अजय कुमार की मौत हो गई। हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ। अजय घर के पास किसी काम से जा रहे थे, तभी वह बिजली की एलटी लाइन के तार की चपेट में आ गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। परसा गांव निवासी अजय कुमार पुत्र जैसी राम घर के पास जा रहे थे। इसी दौरान वह एलटी लाइन के तार की चपेट में आ गए। हादसे के बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सिरौली गौसपुर ले गए। सीएचसी में डॉक्टरों ने जांच के बाद अजय कुमार को मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। पत्नी चरित्र कुमारी समेत अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलने पर बदोसराय पुलिस सीएचसी पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एमएलसी चुनाव के लिए 72 पोलिंग पार्टियां खाना

स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए 23 अक्टूबर को होगा मतदान

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में स्नातक और शिक्षक एमएलसी चुनाव की तैयारियां पूरी हो गई हैं। गुरुवार को 72 पोलिंग पार्टियां मतदान केंद्रों के लिए रवाना की गईं। 23 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 37,111 मतदाता वोट डालेंगे, जिसके लिए 54 केंद्र बने हैं। वहीं, शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 2,386 मतदाता 18 केंद्रों पर मतदान करेंगे। मुख्य विकास अधिकारी पंकज वर्मा ने तैयारियों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। मतदान प्रक्रिया को ठीक से कराने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्क रहने को कहा गया है। सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। हर केंद्र पर पीठासीन अधिकारी के साथ तीन मतदान अधिकारी तैनात रहेंगे। सुरक्षा बल भी मौजूद रहेगा, ताकि मतदान शांतिपूर्ण तरीके से हो सके। चुनाव प्रचार थम चुका है।

फास्ट न्यूज

ससुराल आए युवक की सड़क हादसे में मौत

उन्नाव। उन्नाव के असोहा थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में 35 साल के आशीष कुमार यादव की मौत हो गई। आशीष रायबरेली जिले के बछरावां थाना क्षेत्र के कुबेरी खेड़ा गांव के रहने वाले थे। वह अपनी ससुराल आए हुए थे। गुरुवार सुबह पुलिस ने आशीष के पिता गिरजा शंकर को फोन पर घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिवार के अन्य सदस्यों को सूचना मिली और वे मौके पर पहुंचे। आशीष खेती-किसानी का काम करते थे।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

हरदोई। हरदोई के सवायजपुर कोतवाली क्षेत्र के सिलवारी गांव में गुरुवार सुबह एक महिला का शव घर के बरामदे में फंदे से लटका मिला। महिला की पहचान रामरती (53) के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सिलवारी गांव निवासी रामवीर खेती-बाड़ी करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। गुरुवार सुबह करीब 7:30 बजे वह सोकर उठे। पत्नी रामरती की तलाश करते हुए बरामदे में पहुंचे तो उनका शव गमछे के सहारे फंदे से लटका मिला।

आधी रात हाईवे पर निकला अजगर

हरदोई। हरदोई जनपद में कछौना क्षेत्र के अंतर्गत लखनऊ-पलिया राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक विशालकाय अजगर के दिखने से हड़कंप मच गया। पुलिस, वन विभाग और सर्प मित्र की सतर्कता से अजगर को सुरक्षित रूप से रेस्क्यू कर लिया गया और प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया। कछौना क्षेत्र के रेंजर विनय जादौन ने गुरुवार की सुबह 10:30 बजे जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना मंगलवार आधी रात के बाद की है।

संदिग्धावस्था में अधेड़ की मौत

शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया, पुलिस जांच में जुटी

तमसा संकेत, एजेंसी

महराजगंज, रायबरेली। रायबरेली के महराजगंज क्षेत्र में मकान निर्माण का काम कर रहे 45 वर्षीय राजगीर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बुधवार देर शाम काम के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर पड़े। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। उनकी हालत बिगड़ते देख आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। रात करीब साढ़े आठ बजे डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अस्पताल पहुंचने से पहले हो चुकी थी मौत

सीएचसी के मेडिकल अफसर डॉ. एसके राय ने बताया कि चंद्रभवन को अस्पताल लाया गया था, लेकिन उस समय उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी चंदापुर पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाई।

अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद हुई मौत से परिवार और परिचितों में शोक का माहौल है। हालांकि, उनकी तबीयत किस वजह से बिगड़ी और मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगा मौत का कारण

चंदापुर थाना प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की प्रक्रिया पूरी कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि राजगीर की मौत किस वजह से हुई।

मृतक की पहचान चंदापुर थाना क्षेत्र के पूरे उदवत सिंह मजरे ज्योना गांव निवासी चंद्रभवन के रूप में हुई है। वह गांव में राम दुलारे के मकान के निर्माण का काम कर रहे थे। बुधवार देर शाम काम के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। कुछ ही देर में वह बेहोश होकर गिर पड़े।

बाराबंकी में कार और रोडवेज बस की आमने-सामने भिड़ंत

गोंडा-बहराइच हाईवे पर शाहवपुर नहर के पास हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में गोंडा-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार सुबह करीब 8:30 बजे कार और रोडवेज बस की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसा शाहवपुर नहर के पास हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार सवार तीन लोग घायल हो गए। इनमें अंकित वैश्य की हालत गंभीर बताई गई है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, बहराइच निवासी राकेश वैश्य, अंकित वैश्य और शक्ति वैश्य कार (UP 40 BM 7001) से लखनऊ से बहराइच जा रहे थे। इसी दौरान शाहवपुर नहर के पास

उनकी कार की बाराबंकी रोडवेज बस (UP 41 BT 6020) से टक्कर हो गई। आमने-सामने की भिड़ंत में कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। कार में सवार तीनों लोग घायल हो गए, जिनमें अंकित वैश्य को गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने घायलों की मदद की और उन्हें अस्पताल पहुंचाने में सहयोग किया।

सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम भी मौके पर पहुंची। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल अंकित वैश्य को बेहतर इलाज के लिए लखनऊ रेफर कर दिया गया। हादसे में रोडवेज बस में सवार किसी भी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है। मसौली थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली।

शादी का झांसा देकर जेंडर परिवर्तन कराने का दबाव

कोर्ट के आदेश पर युवक, पिता और दो बहनों पर केस दर्ज

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में शादी का झांसा देकर जेंडर परिवर्तन कराने का मामला सामने आया है। चंडीगढ़ के एक पीड़ित ने सफीपुर के युवक पर शोषण और ब्लैकमेल का आरोप लगाया है। कोर्ट के आदेश पर महिला थाना पुलिस ने आरोपी युवक, उसके पिता और दो बहनों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़ित ने बताया कि 2024 में फेसबुक पर उसकी मुलाकात रायपुर मुस्तफाबाद निवासी राज से हुई। राज ने शादी का वादा कर ऑनलाइन रुपये लिए। आरोप है कि आरोपी ने नशीला पदार्थ देकर अप्राकृतिक संबंध बनाए और अश्लील फोटो-वीडियो भी बना लिए। नवंबर 2024 में वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लिंग परिवर्तन का दबाव बनाया

गया, जिसके बाद फरवरी 2025 में दिल्ली में सर्जरी हुई। सर्जरी के बाद भी आरोपी ब्लैकमेल कर करीब पांच लाख रुपये, सोने-चांदी के जेवर और एक बाइक लेता रहा। परिजनों पर मारपीट, घर में प्रवेश से रोकने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप भी लगाए। पीड़ित का कहना है कि परियर पुलिस चौकी में समझौता हुआ था, जिसके तहत आरोपी को एक मई को चंडीगढ़ पहुंचकर साथ रहने और शादी करने का भरोसा दिया गया, लेकिन वह नहीं पहुंचा।

किसानों ने डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया

फसल नुकसान का सर्वे कराने, खाद की कालाबाजारी रोकने पर कार्रवाई की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले गुरुवार दोपहर उन्नाव में करीब 1500 किसानों ने डीएम कार्यालय पर महापंचायत कर प्रदर्शन किया। किसानों ने फसल नुकसान का सर्वे नहीं होने, खाद की कथित कालाबाजारी और लेखपालों पर गुमराह करने के आरोप लगाते हुए प्रशासन के सामने अपनी समस्याएं रखीं। उन्होंने मांग की कि किसानों की शिकायतों का जल्द निस्तारण किया जाए और प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलाया जाए। महापंचायत में किसानों ने कहा कि बाढ़ और बारिश के कारण कटरी क्षेत्र में धान और मक्का की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। इसके बावजूद प्रभावित खेतों का सर्वे करने के लिए संबंधित अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे। किसानों ने प्रशासन से नुकसान का निष्पक्ष

आकलन कराने और पात्र किसानों को राहत राशि उपलब्ध कराने की मांग की। महापंचायत में किसानों ने बताया कि कटरी क्षेत्र में बाढ़ और बारिश के चलते धान और मक्का की फसलें प्रभावित हुई हैं। किसानों के मुताबिक, फसलों को हुए नुकसान के कारण उन्हें आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद नुकसान का आकलन करने के लिए अधिकारियों के मौके पर नहीं पहुंचने से किसानों में नाराजगी है। किसानों ने मांग की कि प्रभावित गांवों और खेतों का दोबारा सर्वे कराया जाए, ताकि वास्तविक नुकसान का आकलन हो सके। उन्होंने कहा कि सर्वे में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए और जिन किसानों की फसलें बर्बाद हुई हैं, उन्हें नियमानुसार मुआवजा दिया जाना चाहिए। महापंचायत के दौरान किसानों ने खाद की कथित कालाबाजारी का मुद्दा भी उठाया। उनका आरोप था कि किसानों को खाद से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही कुछ लेखपालों पर किसानों को गुमराह करने के आरोप लगाए गए। किसानों ने प्रशासन से इन शिकायतों की जांच कराने और कृषि संबंधी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने की मांग की। उनका कहना था कि किसानों को सरकारी योजनाओं और राहत से जुड़ी जानकारी सही तरीके से मिलनी चाहिए, ताकि उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। महापंचायत में सुनीता पासी ने मंदिर की जमीन पर कब्जे और मंदिर तोड़े जाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि अकील, शकील, पप्पू और कफील नाम के लोगों ने मंदिर की जमीन पर कब्जा कर मंदिर तोड़ दिया है। सुनीता पासी के मुताबिक, इस मामले का विरोध करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी जा रही है। उन्होंने प्रशासन से संबंधित जमीन को कब्जामुक्त कराने और आरोपों की जांच कराकर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

आवारा पशुओं से राहत की मांग

किसानों ने आवारा पशुओं और बंदरों से फसलों को बचाने के लिए प्रभावी व्यवस्था करने, खाद की कालाबाजारी रोकने और शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण कराने की मांग उठाई। उन्होंने पंचायत भवनों की व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। महापंचायत में किसानों ने नारेबाजी कर प्रशासन से समस्याओं के समाधान की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

घटना : मायके वालों ने दहेज हत्या का आरोप लगाया, पोस्टमार्टम में हैंगिंग की पुष्टि

विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के पुरवा थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह 24 वर्षीय विवाहिता की ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में विवाहिता की मौत हैंगिंग यानी फंदे पर लटकने से होने की पुष्टि हुई है। वहीं, गुरुवार दोपहर करीब एक बजे पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे मायके पक्ष ने ससुरालीजनों पर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर मामले में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। मामला पुरवा थाना क्षेत्र का है। यहां 24 वर्षीय विवाहिता की गुरुवार सुबह ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद मौत के कारणों

को लेकर सवाल उठने लगे। पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाई और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा, ताकि मौत की वजह स्पष्ट हो सके। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हैंगिंग से मौत होने की पुष्टि हुई है। हालांकि, रिपोर्ट में सामने आया कारण अपने आप में यह साबित नहीं करता कि घटना आत्महत्या थी या इसमें किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका थी। इस संबंध में आगे की जांच और उपलब्ध साक्ष्य महत्वपूर्ण होंगे। गुरुवार दोपहर करीब एक बजे मायके पक्ष के लोग पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। उन्होंने ससुरालीजनों पर दहेज की मांग को लेकर विवाहिता की हत्या करने का आरोप लगाया। मायके

मां ने दहेज के लिए प्रताड़ित करने का लगाया आरोप

मृतका की मां सन्नो ने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही दहेज की मांग को लेकर उनकी बेटी को परेशान किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि शादी में अपनी हैसियत के अनुसार दहेज दिया था, लेकिन ससुरालीजन संतुष्ट नहीं थे। मां ने गाड़ी अपने नाम कराने और आभूषणों को लेकर विवाद होने का भी आरोप लगाया। उनका कहना है कि बेटी के आभूषण भी उतार लिए गए थे। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

चार साल पहले हुई थी शादी

राखी की शादी करीब चार साल पहले पुरवा थाना क्षेत्र के खड़गी खेड़ा गांव में हुई थी। उसके दो बच्चे हैं, एक बेटा और एक बेटी।

गुरुवार सुबह ससुराल में उसकी मौत की जानकारी मिलने पर मायके पक्ष के लोग पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे।

परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की।

दो बच्चों के सिर से उठा मां का साया

राखी की मौत के बाद परिवार में मातम छा गया। पोस्टमार्टम हाउस में मां समेत अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। मायके पक्ष ने घटना को सामान्य मौत मानने से इनकार करते हुए हत्या की आशंका जताई है। पुरवा थानाध्यक्ष भुवन मौर्य ने बताया कि मामले में तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। शिकायत के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डीएम ने शिव पुराण कथा स्थल का जायजा लिया

बोले- सुरक्षा से समझौता नहीं, पार्किंग, हेलीपैड

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक होने वाली शिव पुराण महाकथा की तैयारियों का जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने गुरुवार को जायजा लिया। एसएसपी जयप्रकाश सिंह भी मौजूद थे। डीएम ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। निरीक्षण के दौरान डीएम ने मुख्य मंच, हेलीपैड, पार्किंग, भोजन, शौचालय, मेडिकल शिविर, बिजली सुरक्षा, वीआईपी गैलरी, बैरिकेडिंग और सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था देखी। उन्होंने पेयजल, प्रकाश और साफ-सफाई की तैयारियों की भी समीक्षा की। डीएम ने मेडिकल

शिविर में पर्याप्त दवाएं, पार्किंग व हेलीपैड की व्यवस्था समय से पूरी करने को कहा। बिजली लाइनों की जांच और खुले तार न होने के निर्देश दिए। पर्याप्त शौचालय और सफाई कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित करने को भी कहा गया।भीड़ प्रबंधन की प्रभावी योजना बनाने के निर्देश दिए गए, ताकि श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने बताया कि आयोजन के लिए पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किए जा रहे हैं और बाहरी फोर्स की भी मांग की गई है।

सम्पादकीय

ट्रंप पर कितना भरोसा करें

यह समझना कठिन है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस कथन पर कितना भरोसा किया जाए कि वे भारत से व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के निकट हैं? वे और उनके सहयोगी इसके पहले भी कई बार यह कह चुके हैं कि हम भारत से व्यापार समझौता करने के करीब हैं, लेकिन महीनों बीत गए और ऐसा होने की नौबत नहीं आई। ट्रंप के दावों पर यकीन करना इसलिए मुश्किल है, क्योंकि वे अपनी ही बातों से मुकरने के आदी हो चुके हैं। अभी हाल में तो वे उस कानून पर अमल टालने को भी बाध्य हुए, जिसके तहत भारत, चीन समेत उन पांच देशों पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने जा रहे थे, जो रूस से तेल आयात करते हैं। उन्हें अपने कदम इसलिए पीछे खींचने पड़े, क्योंकि अमेरिका खुद रूस से डीजल खरीदने को बाध्य हो गया। इसकी भी अनदेखी न की जाए कि अमेरिका-ईरान टकराव और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते विश्व भर का ऊर्जा बाजार अस्थिर हो गया है। इसके चलते तेल एवं गैस के बढ़ते मूल्यों की तपिश अमेरिका को भी झेलनी पड़ रही है- और वह भी ऐसे समय, जब वहां मध्यावधि चुनाव होने वाले हैं और ट्रंप की साख दांव पर हैं।

यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि अमेरिका को अंततः यह आभास हुआ कि ऊर्जा संकट के समाधान में भारत का सहयोग लेना आवश्यक है। इसका एक प्रमाण उसके विदेश मंत्री मार्को रूबियो का जामनगर की रिलायंस रिफाइनरी का दौरा करना है। वहां जाने से पहले उन्होंने भारत को कच्चे तेल की रिफाइनिंग के मामले में महाशक्ति कहा। तथ्य यह भी है कि अमेरिका इस कोशिश में है कि भारत वेनेजुएला से अधिक से अधिक कच्चा तेल खरीदे और उसे शोधित कर निर्यात करे, ताकि ऊर्जा संकट से जूझ रहे अन्य देशों के साथ उसे भी राहत मिले।

भारत वेनेजुएला से जितना अधिक कच्चा तेल खरीदेगा, अमेरिका को उतना ही अधिक लाभ होगा, क्योंकि उसने वहां के तेल स्रोतों को एक तरह से अपने कब्जे में ले लिया है। यह भी उल्लेखनीय है कि वेनेजुएला के कच्चे तेल की गुणवत्ता ऐसी है कि सबके लिए उसका शोधन करना आसान नहीं। भारत यह करने में सक्षम है। स्पष्ट है कि जब अमेरिका को यह लगा कि भारत उसके हितों की पूर्ति में सक्षम है, तब उसके रवैये में नरमी आई। इसके बाद भी जब तक व्यापार समझौता हो नहीं जाता, तब तक आश्वस्त नहीं हुआ जा सकता। इसलिए और भी नहीं, क्योंकि ट्रंप कह रहे हैं कि भारत से व्यापार समझौता हमारे द्वारा पहले किए गए समझौतों से अलग तरह का होगा। इसका ठीक-ठीक अर्थ क्या है, जब तक यह स्पष्ट न हो जाए, तब तक समझौते को लेकर संदेह बना रहेगा। अब जब अमेरिका को भारत का साथ लेना जरूरी जान पड़ रहा है, तब फिर उससे ऐसा समझौता होना चाहिए, जो भारतीय हितों के भी अनुकूल हो।

यदि हम केवल आंकड़ों और जमीनी हकीकत पर नजर डालें, तो इस फिल्म को लेकर चल रहा उन्माद भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक नया अध्याय लिख रहा है।

सिनेमाई पुनर्जागरण: धार्मिक फिल्मों का नया स्वर्णिम दौर

भारतीय सिनेमा के सौ से अधिक वर्षों के इतिहास में समय-समय पर कई वैचारिक और विधागत बदलाव आए हैं। कभी यहाँ 'एंग्री यंग मैन' का सामाजिक विद्रोह पर्दे पर हावी था, तो कभी मध्यवर्गीय परिवारों की रोजमर्रा की कशमकश को सिनेमाई कैनवास पर उकेरा जाता था। एक दौर वह भी आया जब विदेशी लोकेशंस और प्रवासी रोमांस की कहानियों ने करोड़ों दिलों को धड़काया। लेकिन आज, यानी साल 2026 की दहलीज पर खड़े होकर जब हम देश के सिनेमाई परिदृश्य का बारीकी से विश्लेषण करते हैं, तो एक अभूतपूर्व, अखंड और अत्यंत स्पष्ट रुझान उभरकर सामने आता है। आज का भारतीय दर्शक काल्पनिक और पश्चिम से आयातित कहानियों के मायाजाल से पूरी तरह बाहर निकलकर अपनी जड़ों, अपनी सांस्कृतिक विरासत और अपने सनातन गौरव की ओर लौट रहा है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही महात्वाकांक्षी फिल्म 'रामायणः द राइज ऑफ ए लीजेंड' की एडवांस बुकिंग का जो ऐतिहासिक और अकल्पनीय क्रेज देखने को मिल रहा है, वह इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि भारत में अब धार्मिक और पौराणिक फिल्मों का एक नया स्वर्णिम दौर शुरू हो चुका है। महज कुछ ही घंटों में लाखों टिकटों का बिक जाना, प्रीमियम सिनेमाघरों में एक टिकट की कीमत 2,600 के पार पहुंच जाना और रिलीज से हफ्तों पहले करोड़ों रुपये का एडवांस कलेक्शन कर लेना—यह केवल किसी एक फिल्म की व्यावसायिक सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि यह भारतीय जनमानस की उस सामूहिक चेतना और सांस्कृतिक प्यास का प्रकटीकरण है, जिसे मुख्यधारा का सिनेमा लंबे समय से नजरअंदाज करता आ रहा था।

पिछले कुछ वर्षों में दर्शकों की पसंद में आया यह बदलाव रातों-रात नहीं हुआ है, बल्कि इसके पीछे गहरे सामाजिक, तकनीकी और मनोवैज्ञानिक कारण छिपे हुए हैं। पुराने दौर में धार्मिक या पौराणिक कहानियों को केवल टेलीविजन के सीमित बजट और बुनियादी विशेष प्रभावों के सहारे देखा जाता था। रामानंद सागर की 'रामायण' और बी.आर. चोपड़ा की 'महाभारत' ने अपने समय में इतिहास तो रचा, लेकिन वह दौर तकनीक के मामले में बहुत पीछे था। आज का युवा दर्शक 'मार्वल' और 'लॉर्ड ऑफ द रिंग्स' जैसी हॉलीवुड फिल्मों के विजुअल इफेक्ट्स देखकर बड़ा हुआ है। जब भारतीय फिल्म निर्माताओं ने हमारी अपनी समृद्ध और अनंत पौराणिक कथाओं को हॉलीवुड स्तर के वीएफएक्स, 3D तकनीक और विश्व स्तरीय सिनेमैटोग्राफी के साथ पेश करना शुरू किया, तो दर्शकों का अनुभव पूरी तरह बदल गया। 'रामायण' जैसी फिल्मों में दिख रहा अकल्पनीय विजुअल वैभव ही है जो युवा पीढ़ी को 2,600 से अधिक की महंगी टिकट खरीदने के लिए प्रेरित कर रहा है। इसके साथ ही, आज का युवा भारत अपनी सांस्कृतिक पहचान को लेकर अत्यधिक जागरूक और गौरवान्वित है। वह अब पश्चिम के काल्पनिक सुपरहीरोज की बजाय अपने देश के वास्तविक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक नायकों को पर्दे पर देखना चाहता है। भगवान राम, श्री कृष्ण और महादेव के चरित्रों में जो नैतिक मूल्य, वीरता और जीवन दर्शन छिपा है, वह आधुनिक समाज के लिए मार्गदर्शक का काम करता है। धार्मिक फिल्में दर्शकों को अपनी जड़ों से जुड़ने का एक ऐसा माध्यम प्रदान करती हैं, जो मनोरंजक होने के साथ-साथ अत्यंत गौरवमयी भी होता है। एक और महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के आने के बाद सिनेमाघरों से पारिवारिक दर्शक कहीं न कहीं दूर हो गए थे, क्योंकि समकालीन मुख्यधारा के सिनेमा में अश्लीलता, हिंसा और गाली-गलौज की बहुलता बढ़ गई थी। ऐसे माहौल में, धार्मिक और पौराणिक फिल्में एक ऐसे सुरक्षित और पावन विकल्प के रूप में उभरी हैं, जिसे दादा-दादी से लेकर पोते-पोती तक, पूरा परिवार एक साथ बैठकर सिनेमाघर के बड़े पर्दे पर देख सकता है। यह 'सामूहिक सिनेमा' के उस सुनहरे दौर को वापस लाया है, जहाँ थिएटर एक व्यावसायिक जगह न रहकर एक सांस्कृतिक उत्सव का रूप ले लेते हैं। मुंबई के प्रीमियम सिनेमाघरों जैसे कि मैसन आईनॉक्स जियो वर्ल्ड प्लाजा में इसके हिंदी 3D इनसिग्निया शो के एक टिकट की कीमत 2,620 तक पहुंच चुकी है, जो कन्वीनियंस फीस के साथ 2,690 पड़ती है, जबकि कुछ थिएटर्स में रिक्लाइनर सीटों की कीमत 2,770 तक जा चुकी है। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने अपने पहले ही दिन 5.44 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन एडवांस बुकिंग के जरिए कर लिया है और अब तक करीब 92,000 टिकटें बिक चुकी हैं। इस एडवांस बुकिंग कलेक्शन में सबसे बड़ा हिस्सा लगभग पचानवे प्रतिशत हिंदी वर्जन का है, जिसमें दिल्ली-एनसीआर 1.42 करोड़ के साथ सबसे आगे है और मुंबई 1.01 करोड़ के कलेक्शन के साथ दूसरे नंबर पर बना हुआ है। दर्शकों की भारी मांग को देखते हुए सिनेमाघरों में सुबह 6:00 बजे और 6:45 बजे के अर्ली-मॉर्निंग शोज के साथ-साथ देर रात 11:59 बजे के नाइट शोज भी शेड्यूल किए गए हैं। इतना ही नहीं, फिल्म ने रिलीज से पहले ही अंतरराष्ट्रीय बाजारों जैसे यूएस, कनाडा, यूके और ऑस्ट्रेलिया में 1 मिलियन डॉलर यानी करीब सात से आठ करोड़ रुपये से अधिक की एडवांस बुकिंग का आंकड़ा पार कर लिया है। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि जब सामग्री दर्शकों की आत्मा और उनकी आस्था से जुड़ती है, तो कीमत और समय जैसी भौतिक बाधाएं पूरी तरह अर्थहीन हो जाती हैं। धार्मिक फिल्मों के इस नए दौर की सबसे खूबसूरत विशेषता यह है कि यह भाषाई और क्षेत्रीय दीवारों को पूरी तरह से ढहा रहा है। अतीत में, बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा को दो अलग-अलग ध्रुवों के रूप में देखा जाता था। लेकिन वर्तमान दौर की महागाथाएं इन दोनों उद्योगों के सर्वश्रेष्ठ हुनर को एक मंच पर ला रही हैं। 'रामायण' इसका सबसे सटीक उदाहरण है, क्योंकि इस फिल्म में जहाँ हिंदी सिनेमा के सबसे प्रतिभाशाली और चहेते अभिनेताओं में से एक, रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में हैं, वहीं दक्षिण भारत की संस्कारी और सशक्त अभिनेत्री साई पल्लवी माता सीता के किरदार को जीवंत कर रही हैं, और कन्नड़ सिनेमा के वैश्विक रॉकस्टार यश रावण के रूप में अपनी दहाड़ लगाने के लिए तैयार हैं। यह महासंगम केवल कलाकारों का नहीं, बल्कि पूरे भारत के दर्शकों का है। उत्तर से लेकर दक्षिण और पूर्व से लेकर पश्चिम तक, पूरी फिल्म इंडस्ट्री अब यह समझ चुकी है कि 'सनातन संस्कृति' ही वह एकमात्र सूत्र है जो पूरे देश को एक धागे में पिरो सकता है। पैन-इंडिया फिल्मों का यह नया स्वरूप भाषाई दूरियों को मिटाकर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सिनेमाई पर्दे पर साकार कर रहा है।

- अशोक भाटीया

बदलती दुनिया में संयुक्त राष्ट्रः शांति की उम्मीद या वैश्विक शक्तियों की राजनीति का मंच

दुनिया के किसी हिस्से में युद्ध होता है तो उसकी गूंज सीमाओं तक सीमित नहीं रहती। कहीं ऊर्जा संकट गहराता है, कहीं खाद्य पदार्थ महंगे होते हैं, कहीं लाखों लोग घर छोड़ने को मजबूर होते हैं और कहीं युद्ध की आशंका पूरी अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने लगती है। जलवायु परिवर्तन, महामारी, आतंकवाद और साइबर सुरक्षा जैसी चुनौतियां भी किसी एक देश की सीमाओं में बंधकर नहीं रहतीं। इनके समाधान के लिए देशों के बीच सहयोग जरूरी है लेकिन सहयोग की जरूरत जितनी बढ़ी है, उसे हासिल करना उतना ही कठिन दिखाई देने लगा है।

यही वह विरोधाभास है, जो संयुक्त राष्ट्र की प्रासंगिकता पर विचार करने के लिए मजबूर करता है। एक ओर दुनिया को ऐसा साझा मंच चाहिए, जहां छोटे-बड़े सभी देश बातचीत कर सकें। दूसरी ओर, उसी मंच पर शक्तिशाली देशों के हित, आपसी प्रतिस्पर्धा और राजनीतिक मतभेद सामूहिक कार्रवाई की राह में बाधा बनते हैं। संयुक्त राष्ट्र की सफलता और सीमाओं को समझने के लिए इस विरोधाभास को समझना जरूरी है। द्वितीय विश्वयुद्ध की तबाही के बाद 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हुई। इसका मूल उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाना, अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना, मानवाधिकारों का सम्मान बढ़ाना और देशों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना था। उस समय दुनिया ने महसूस किया था कि केवल सैन्य शक्ति और राष्ट्रीय हितों के आधार पर बनी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था स्थायी शांति की गारंटी नहीं दे सकती। संयुक्त राष्ट्र ने देशों को बातचीत का साझा मंच दिया। शांति स्थापना अभियानों, मानवीय सहायता, शरणार्थियों की मदद और अंतरराष्ट्रीय कानून को मजबूत करने में इसकी भूमिका रही है।

- राजेश जैन

सरकार को प्रदूषण...

ललित गर्ग

जानलेवा होती हवाः सर्दियों से पहले ही प्रदूषण की चुनौती

सर्दियों ने अभी पूरी तरह दस्तक भी नहीं दी है कि देश के अनेक शहरों की हवा में प्रदूषण का जहर घुलने लगा है। दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता का तेजी से बिगड़ना इस बात का संकेत है कि प्रदूषण का संकट अब केवल सर्दियों की मौसमी समस्या नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरणीय प्रबंधन, शहरी विकास और सार्वजनिक स्वास्थ्य के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुका है। हर साल अक्टूबर-नवंबर में दमघोंटू धुंध, आंखों में जलन, सांस लेने में कठिनाई और अस्पतालों में बढ़ती मरीजों की संख्या के साथ यह संकट सामने आता है। विडंबना यह है कि समस्या के कारणों की पहचान होने और उपायों की जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद हम हर वर्ष उसी त्रासदी को दोहराने के लिए विवश दिखाई देते हैं। सवाल यह है कि क्या स्वच्छ हवा में सांस लेना भी अब नागरिकों के लिए एक दुर्लभ सुविधा बनकर रह जाएगा? वायु प्रदूषण किसी एक कारण या किसी एक राज्य की देन नहीं है। वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, कचरा और जैविक पदार्थ जलाना, ताप विद्युत संयंत्रों से होने वाला उत्सर्जन तथा कृषि अवशेषों का दहन इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। सर्दियों में तापमान गिरने, हवा की गति कम होने और वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण प्रदूषक जमीन के निकट जमा हो सकते हैं। इससे प्रदूषण का प्रभाव अधिक गंभीर हो जाता है। इस प्रकार मौसम समस्या को बढ़ाता अवश्य है, लेकिन प्रदूषण पैदा करने वाले मूल कारण मुख्यतः मानवीय गतिविधियों और उनके अपर्याप्त नियमन से जुड़े हैं।

दिल्ली-एनसीआर की स्थिति इस संकट का सबसे स्पष्ट उदाहरण है। दिल्ली के साथ गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के अनेक शहर एक-दूसरे से जुड़े वायु क्षेत्र का हिस्सा हैं। इसलिए केवल दिल्ली की सीमाओं के भीतर उपाय करने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। हवा किसी प्रशासनिक सीमा को नहीं मानती, वह प्रदूषण को भी एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पहुंचाती है। अतः समाधान भी क्षेत्रीय सहयोग, साझा जवाबदेही और समन्वित कार्ययोजना पर आधारित होना चाहिए। वायु प्रदूषण का सबसे भयावह पक्ष उसका स्वास्थ्य पर पड़ने वाला प्रभाव है। विशेष रूप से पीएम 2.5 जैसे अत्यंत सूक्ष्म कण फेफड़ों की गहराई तक पहुंच सकते हैं और कुछ परिस्थितियों में रक्तप्रवाह तक प्रवेश कर सकते हैं। इनके लंबे समय तक संपर्क में रहने से हृदय एवं फेफड़ों संबंधी बीमारियों, स्ट्रोक और समयपूर्व मृत्यु का जोखिम बढ़ता है। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा पहले से बीमार लोगों पर इसका प्रभाव विशेष रूप से गंभीर हो सकता है। यह संकट केवल सांस के मरीजों तक सीमित नहीं है। स्वस्थ दिखाई देने वाले लोगों की कार्यक्षमता, एकाग्रता और जीवन की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। स्कूल जाने वाले बच्चों को खुले मैदान में खेलने से रोकना पड़े, बुजुर्ग सुबह की सैर छोड़ने को विवश हों और श्रमिकों को जहरीली हवा में काम करना पड़े, तो यह केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि जीवन की गरिमा और नागरिकों के स्वास्थ्य के अधिकार से जुड़ा प्रश्न है। एयर प्यूरीफायर या मास्क कुछ परिस्थितियों में व्यक्तिगत बचाव में सहायक हो सकते हैं, लेकिन वे स्वच्छ हवा की सार्वजनिक व्यवस्था का विकल्प नहीं बन सकते। प्रदूषण बढ़ने पर ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) लागू करना आवश्यक है। इसके अंतर्गत प्रदूषण की गंभीरता के अनुसार निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध, वाहनों और उद्योगों पर नियंत्रण तथा अन्य आपातकालीन कदम उठाए जाते हैं। लेकिन इन उपायों की सफलता केवल आदेश जारी करने से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन और निरंतर निगरानी से सुनिश्चित होती है। यदि प्रतिबंधों का उल्लंघन होता रहे, निर्माण स्थलों पर धूल उड़ती रहे और कचरा खुले में जलता रहे, तो सरकारी घोषणाएं अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकतीं।

सरकार को प्रदूषण के चरम पर पहुंचने की प्रतीक्षा करने के बजाय सितंबर-अक्टूबर से ही तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। प्रदूषण के स्रोतों की पहचान, औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण, सड़कों की नियमित सफाई, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण और वाहनों के उत्सर्जन की जांच पहले से सुनिश्चित की जानी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना, इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा देना, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार करना और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई करना दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। कृषि क्षेत्र में पराली जलाने की समस्या का समाधान किसानों पर जुर्माना लगाने भर से नहीं होगा। उन्हें फसल अवशेषों के प्रबंधन के लिए सस्ती मशीनें, तकनीकी सहायता, आर्थिक प्रोत्साहन और स्थानीय स्तर पर उपयोग की सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी। किसानों को समस्या का भागीदार नहीं, समाधान का सहयोगी बनाना होगा। प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है। नागरिकों को निजी वाहनों का अनावश्यक उपयोग कम करने, सार्वजनिक परिवहन अपनाने, कचरा और पत्तियां न जलाने तथा ऊर्जा की बचत करने जैसे कदम उठाने होंगे।

कृषि उत्पादों ...

प्रदीप कुमार/ओबैदुर रहमान

आधुनिक कृषि विपणन व्यवस्था को सशक्त बना रही मण्डी परिषद, किसानों को बेहतर बाजार और सुविधाएं उपलब्ध

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की आधारशिला है और किसानों की समृद्धि का मार्ग उनकी उपज के उचित मूल्य, पारदर्शी विपणन व्यवस्था तथा आधुनिक कृषि अवसंरचना से होकर गुजरता है। कृषि उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने, मण्डियों की कार्यप्रणाली को पारदर्शी एवं डिजिटल बनाने और किसानों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में उत्तर प्रदेश मण्डी परिषद महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। प्रदेश में मण्डी सुविधाओं के विस्तार, ई-नाम एवं ई-मण्डी जैसी डिजिटल व्यवस्थाओं, कृषि उत्पादों के निर्यात और किसान हितैषी योजनाओं के माध्यम से कृषि विपणन व्यवस्था को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है। मण्डी परिषद की वित्तीय स्थिति में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अगस्त माह तक कुल 857.30 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई थी, जबकि वित्तीय वर्ष 2026-27 में अगस्त 2026 तक यह आय बढ़कर 875.31 करोड़ रुपये हो गई। इस प्रकार गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में मण्डी परिषद की आय में 2.10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि प्रदेश में कृषि विपणन से जुड़ी गतिविधियों और मण्डी व्यवस्था को मजबूत बनाने के प्रयासों को रेखांकित करती है।

कृषि उत्पादों के विपणन में पारदर्शिता बढ़ाने और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) के अंतर्गत प्रदेश की 162 मण्डियों में डिजिटल व्यापार को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत 01 अगस्त 2025 से 31 अगस्त 2026 तक 1,575 करोड़ रुपये से अधिक का डिजिटल व्यापार किया गया। ई-नाम के माध्यम से कृषि उत्पादों की खरीद-बिक्री को डिजिटल मंच से जोड़ने का उद्देश्य किसानों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराना, व्यापारिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाना तथा उपज के मूल्य निर्धारण में प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करना है। इससे कृषि विपणन व्यवस्था को आधुनिक बनाने और किसानों को बाजार आधारित अवसरों से जोड़ने में मदद मिल रही है।

मण्डी समितियों के आंतरिक कार्यों को ऑनलाइन करने के उद्देश्य से संचालित ई-मण्डी योजना ने लाइसेंस निर्गमन और अन्य प्रक्रियाओं को डिजिटल स्वरूप प्रदान किया है। 01 अगस्त 2025 से 31 अगस्त 2026 तक लगभग 11,894 ई-मण्डी लाइसेंस निर्गत किए गए। इसी अवधि में ई-मण्डियों के माध्यम से लगभग एक करोड़ 58 लाख से अधिक ऑनलाइन पर्चियां भी जारी की गईं। ऑनलाइन व्यवस्था से मण्डियों के कार्यों को अधिक व्यवस्थित बनाने, अभिलेखों के डिजिटलीकरण और प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाने में सहायता मिल रही है। डिजिटल सेवाओं का विस्तार किसानों, व्यापारियों और आढ़तियों के लिए मण्डी संबंधी कार्यों को अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने और कृषि विपणन से जुड़े लाभार्थियों को सहयोग प्रदान करने के लिए मण्डी परिषद द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

जरा हटके

जनपद में दिव्यांग...

डॉ0 सीमा गुप्ता

बलरामपुर में दिव्यांगजन सशक्तिकरण और समावेशी विकास के प्रभावी क्रियान्वयन से आत्मनिर्भरता को मिल रही दिशा

केंद्र एवं प्रदेश सरकार की अंत्योदय और समावेशी विकास की प्राथमिकताओं के अनुरूप जनपद बलरामपुर में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े प्रत्येक नागरिक को सामाजिक सुरक्षा, सम्मान और सुलभ जीवन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के तहत योजनाबद्ध कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग तथा जिला प्रशासन के संयुक्त समन्वय से विकास खंड बलरामपुर परिसर में निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह पहल आकांक्षी जनपद में दिव्यांगजनों को आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित कर उन्हें स्वावलंबन और सम्मानजनक आजीविका की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक प्रभावी प्रशासनिक प्रयास है। शासन की सुस्पष्ट नीति के अनुसार दिव्यांगजन समाज के अत्यंत संवेदनशील और सामर्थ्यवान अंग हैं। सरकार का ध्येय केवल तात्कालिक राहत प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें आधुनिक सहायक उपकरणों एवं तकनीकों से युक्त कर आत्मनिर्भर बनाना है। जब किसी दिव्यांगजन को गतिशीलता और आवश्यक तकनीक का संबल मिलता है, तो वह अपनी शारीरिक सीमाओं को पार कर सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने में सक्षम होता है। विकास खंड बलरामपुर परिसर में आयोजित विशेष शिविर में पूर्व में कराए गए तकनीकी परीक्षणों के आधार पर पारदर्शी प्रक्रिया से चिह्नित कुल 108 पात्र लाभार्थियों को आवश्यकतानुसार आधुनिक उपकरण निःशुल्क वितरित किए गए। शारीरिक दिव्यांगता से प्रभावित लाभार्थियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 25 आधुनिक ट्राई साइकिल और 12 व्हीलचेयर प्रदान की गईं, जिससे उनकी दैनिक गतिशीलता में उल्लेखनीय सुधार होगा और दैनिक क्रियाकलापों के लिए दूसरों पर निर्भरता समाप्त होगी। श्रवण दिव्यांगता से ग्रसित 36 लाभार्थियों को उच्च गुणवत्ता की डिजिटल हियरिंग एड उपलब्ध कराई गई, जिससे वे सामाजिक संवाद और सामान्य दिनचर्या में सुगमता से भाग ले सकें। दृष्टिबाधित लाभार्थियों को सुरक्षित और स्वतंत्र आवागमन के लिए 17 आधुनिक स्मार्ट केन तथा शैक्षणिक संवर्धन हेतु 08 ब्रेल किट प्रदान की गईं। इसके अतिरिक्त, बौद्धिक दिव्यांगता से ग्रसित बच्चों के मानसिक संवर्धन और दैनिक क्रियाकलापों को सहज बनाने के लिए 10 विशेष मानसिक मंदता (एमआर) किट उनके अभिभावकों को सौंपी गईं। आकांक्षी एवं सीमावर्ती जनपद होने के दृष्टिगत बलरामपुर में सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी समस्त कल्याणकारी योजनाओं के शत-प्रतिशत संतृप्तीकरण पर जिला प्रशासन द्वारा विशेष बल दिया जा रहा है। ग्रामीण और सुदूरवर्ती क्षेत्रों में निवासरत पात्र दिव्यांगजनों को योजनाओं से आच्छादित करने के लिए विकास खंड स्तर पर नियमित चिह्नांकन और स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था लागू की गई है। प्रशासनिक स्तर पर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सूचना के अभाव, भौगोलिक दूरी अथवा प्रक्रियात्मक जटिलता के कारण शासकीय लाभ से वंचित न रहे। सहायक उपकरण वितरण के साथ-साथ जिला प्रशासन द्वारा दिव्यांगजनों को राज्य एवं केंद्र सरकार की दीर्घकालिक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने का समन्वित कार्य किया जा रहा है। पात्र व्यक्तियों को विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र (यूडीआई-ईडी) से संतृप्त किया जा रहा है, ताकि वे देश भर में मान्यता प्राप्त एक समान पहचान के आधार पर समस्त शासकीय सेवाओं का निर्बाध लाभ प्राप्त कर सकें। जनपद में दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान (पेंशन योजना), शल्य चिकित्सा अनुदान तथा दुर्घटना बीमा योजनाओं के त्वरित निस्तारण के लिए विशेष तंत्र सक्रियता से कार्य कर रहा है। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रमों में वितरित किए जाने वाले सभी उपकरणों की गुणवत्ता, स्थायित्व और मानकीकरण पर विशेष प्रशासनिक निगरानी रखी जा रही है। वितरण के उपरांत लाभार्थियों को उपकरणों के समुचित रख-रखाव, उपयोग के सही तौर-तरीकों तथा किसी भी तकनीकी समस्या के समाधान हेतु मौके पर ही व्यावहारिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया, जिससे प्रदत्त संसाधनों की अधिकतम उपयोगिता और दीर्घकालिक प्रभावशीलता सुनिश्चित हो सके। दैनिक जीवन में गतिशीलता और स्वावलंबन प्राप्त होने से दिव्यांगजनों के आत्मविश्वास में प्रत्यक्ष वृद्धि होती है। विशेष रूप से बच्चों और युवाओं के लिए ये उपकरण प्राथमिक एवं उच्च शिक्षा प्राप्त करने, व्यावसायिक कौशल सीखने तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर होने का मार्ग प्रशस्त करते हैं, जिससे उनके परिवारों पर देखभाल की जटिलताएं भी कम होती हैं। केंद्र एवं प्रदेश सरकार की अंत्योदय और समावेशी विकास की प्राथमिकताओं के अनुरूप जनपद बलरामपुर में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े प्रत्येक नागरिक को सामाजिक सुरक्षा, सम्मान और सुलभ जीवन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के तहत योजनाबद्ध कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग तथा जिला प्रशासन के संयुक्त समन्वय से विकास खंड बलरामपुर परिसर में निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जनपद बलरामपुर में दिव्यांगजनों को आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित कर उन्हें स्वावलंबन और सम्मानजनक आजीविका की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में यह एक प्रभावी प्रशासनिक प्रयास है। शासन की सुस्पष्ट नीति के अनुसार दिव्यांगजन समाज के अत्यंत संवेदनशील और सामर्थ्यवान अंग हैं। सरकार का ध्येय केवल तात्कालिक राहत प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें आधुनिक सहायक उपकरणों एवं तकनीकों से युक्त कर आत्मनिर्भर बनाना है। जब किसी दिव्यांगजन को गतिशीलता और आवश्यक तकनीक का संबल मिलता है, तो वह अपनी शारीरिक सीमाओं को पार कर सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने में सक्षम होता है।

यूपी एमएलसी चुनाव के चलते हुआ फैसला, मॉडल शॉप भी नहीं खुलेंगी

23 और 27 अक्टूबर को शराब दुकानें बंद रहेंगी

रोक

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) चुनाव को देखते हुए 23 और 27 अक्टूबर को शराब की दुकानें बंद रखने का फैसला लिया गया है। लखनऊ समेत प्रदेश के 72 जिलों में इस दौरान शराब की बिक्री पर रोक रहेगी। लखनऊ के जिलाधिकारी के अनुसार, चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की गई है। शराब की दुकानों के अलावा

- **5 स्नातक सीटें :** लखनऊ मंडल, वाराणसी मंडल, आगरा मंडल, मेरठ मंडल और इलाहाबाद-झांसी मंडल। इनमें से इलाहाबाद-झांसी और वाराणसी सीट सपा के कब्जे में है। बाकी 3 सीटों पर भाजपा का कब्जा है।
- **6 शिक्षक सीटें :** लखनऊ खंड, वाराणसी खंड, आगरा खंड, मेरठ खंड और बरेली-मुरादाबाद खंड (2 सीटें)। इनमें से 3 सीटों पर भाजपा, 1 पर सपा, 1 पर शिक्षक समूह और 1 पर निर्दलीय का कब्जा है।

बार, मॉडल शॉप और सैन्य कैंटीन में भी शराब की बिक्री नहीं होगी। शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों की विधान परिषद सीटों के लिए 23 अक्टूबर को मतदान होना है। वहीं, 27 अक्टूबर को मतगणना की जाएगी। चुनाव प्रक्रिया के मद्देनजर संबंधित जिलों में निर्धारित अवधि के दौरान शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लागू रहेगा।

10 लाख वोटर तय करेंगे दिग्गजों की साख

इस 'मिनी-जनादेश' में 10 लाख से ज्यादा वोटर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। स्नातक क्षेत्र का वोटर बनने के लिए डिग्री हासिल किए 3 साल पूरे होना जरूरी हैं। जबकि शिक्षक क्षेत्र में सिर्फ पढ़ा रहे शिक्षक ही वोट डाल सकते हैं। 22 से 35 साल के वोटर निर्णायकः उम्मीदवारों ने इस बार युवाओं, रिटायर्ड कर्मचारियों, भूतपूर्व सैनिकों, महिलाओं और शिक्षकों का बड़े पैमाने पर रजिस्ट्रेशन कराया है। इनमें सबसे ज्यादा संख्या 22 से 35 साल के युवा मतदाताओं की है। युवाओं को साधने की होड़ : सपा जहां बेरोजगारी, पुरानी पेंशन (OPS) और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर युवाओं और कर्मचारियों को साध रही है। वहीं, योगी सरकार अपनी उपलब्धियों और पारदर्शी भर्तियों के दम पर वोट मांग रही है।

योगी सरकार में ऑपरेशन त्रिनेत्र से यूपी में स्मार्ट पुलिसिंग को नई ताकत

12.85 लाख सीसीटीवी कैमरों से बढ़ी निगरानी

- महिला सुरक्षा योगी सरकार की प्राथमिकता, हर थाने में हेल्प डेस्क और 8,694 महिला बीटें
- एंटी रोमियो अभियान में 4.83 करोड़ से अधिक व्यक्तियों की जांच, महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष जोर
- माफिया पर योगी सरकार का प्रहार, 4,558 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति पर कार्रवाई
- सी-प्लान ऐप से जनसहभागिता को बढ़ावा, 21.32 लाख से अधिक नागरिकों से संवाद

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने और आम नागरिकों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए योगी सरकार ने पुलिसिंग को तकनीक, जनसहभागिता और त्वरित कार्रवाई से जोड़ने पर जोर दिया है। ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत प्रदेश में 12.85 लाख से अधिक सीसीटीवी कैमरों की स्थापना स्मार्ट पुलिसिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वहीं, महिला सुरक्षा के लिए प्रत्येक थाने में महिला हेल्प डेस्क, 8,694 महिला बीटों का संचालन और एंटी रोमियो अभियान के तहत व्यापक कार्रवाई ने सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ किया गया है। योगी सरकार ने पुलिस व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए तकनीक के इस्तेमाल पर विशेष जोर दिया है। इसी दिशा में शुरू किया गया ऑपरेशन त्रिनेत्र अपराध नियंत्रण, संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी और घटनाओं की जांच में सीसीटीवी कैमरों की उपयोगिता बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरा है। 10 जुलाई 2023 से 30 सितंबर 2026 तक प्रदेश में 12.85 लाख से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है।इतने बड़े पैमाने पर

66 इस बार विधान परिषद की कुल 11 सीटों के लिए चुनाव घोषित किए गए हैं। इनमें पांच सीटें स्नातक निर्वाचन क्षेत्र और छह सीटें शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की हैं। चुनाव से संबंधित व्यवस्थाओं के तहत संबंधित जिलों में प्रशासनिक तैयारियां की जा रही हैं।

फास्ट न्यूज

विकसित भारतझजी राम जी योजना से ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को मिल रही गत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि विकसित भारत–जी राम जी योजना के अंतर्गत अनुमन्य ग्रामीण परिसंपत्तियों का निर्माण गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार, इन कार्यों के माध्यम से गांवों में आवश्यक सार्वजनिक सुविधाओं को मजबूत करने के साथ ग्रामीण परिवारों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

महिला का नहाते हुए वीडियो बनाया

हाथरस। हाथरस के मुरसान कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में नहाते समय महिला का वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। महिला के पति की शिकायत पर पुलिस ने गुरुवार को दोपहर करीब 2 बजे मुकदमा दर्ज किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। महिला के पति ने शिकायत में बताया कि बिंदु खां, रिहान और अकरुद्दीन उनके घर में टाइल्स और पत्थर लगाने का काम कर रहे थे। आरोप है कि बुधवार दोपहर महिला बाथरूम में नहा रही थी। तभी रिहान और अकरुद्दीन ने रोशनदान से उसका वीडियो बना लिया।

शिक्षक एमएलसी चुनाव की तैयारी

कुशीनगर। कुशीनगर में गोरखपुर-अयोध्या शिक्षक विधान परिषद चुनाव के लिए शुक्रवार को मतदान होगा। इससे एक दिन पहले गुरुवार शाम 3 बजे भाजपा ने रविंद्रनगर स्थित जिला कार्यालय पर चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में मतदान केंद्रों पर पार्टी की व्यवस्थाओं और चुनावी रणनीति पर चर्चा हुई। जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कार्यकर्ताओं से मतदान के दिन सक्रिय रहने को कहा।

नशे के लिए पैसे नहीं थे, पेट्रोल पंप से बाइक चुराने पहुंचा युवक

बिजनौर पुलिस ने चोरी की हीरो होंडा सीडी डीलक्स बाइक बरामद की

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। बिजनौर थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से चोरी की गई हीरो होंडा सीडी डीलक्स मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। पुलिस के मुताबिक, 21 अक्टूबर को बहादुर-खेड़ा स्थित रामजानकी सर्विस स्टेशन (पवन पेट्रोलियम) पर रपुन्जय यादव की मोटरसाइकिल चोरी करने का प्रयास किया जा रहा था। इस दौरान वादी और पुलिस के सहयोग से आरोपी को पकड़ लिया गया। मामले में मिली तहरीर के आधार पर थाना बिजनौर में मुकदमा संख्या 0290/26 के

तहत बीएनएस की धारा 305(ए)/317(2) में अभियोग दर्ज किया गया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान रामबाबू (28) पुत्र जितेन्द्र कुमार उर्फ सुरेश, निवासी राधाकृष्ण खेड़ा, थाना मोहनलालगंज, लखनऊ के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह कभी-कभी नशा करता है। नशे के लिए पैसे नहीं होने के कारण उसने मोटरसाइकिल चोरी करने की गलती की।

यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त तरुण गाबा और संयुक्त पुलिस आयुक्त अपर्णा कुमार के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी मो. मुश्ताक के निर्देशन, अपर पुलिस उपायुक्त रल्लापल्ली वसंथ कुमार के पर्यवेक्षण और सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर लक्ष्मण वर्मा के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक बिजनौर कपिल गौतम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की।

महिला स्वावलंबन और ग्रामीण ऊर्जा सेवाओं का प्रभावी माध्यम बना विद्युत सखी कार्यक्रम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें सम्मानजनक आजीविका से जोड़ने की दिशा में विद्युत सखी कार्यक्रम उल्लेखनीय सफलता हासिल कर रहा है। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं बिजली बिल संग्रह के माध्यम से अपनी आय बढ़ाने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, आर्थिक स्वावलंबन और ग्रामीण विकास का एक प्रभावी मॉडल बनकर उभरा है। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को आजीविका के नए अवसरों से जोड़ना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। विद्युत सखी कार्यक्रम के माध्यम से महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत बन रही हैं।

पान खेड़ा से रवाना हुई 65वीं राम रथ श्रवण यात्रा

डॉ. राजेश्वर सिंह की पहल से बुजुर्ग माता-पिता को तीर्थ यात्रा कराने का सिलसिला जारी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के पान खेड़ा ग्राम सभा से 65वीं राम रथ श्रवण यात्रा रवाना की गई। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की पहल पर संचालित इस अभियान के माध्यम से क्षेत्र के बुजुर्ग माता-पिता को तीर्थ दर्शन का अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। यात्रा का उद्देश्य बुजुर्गों के प्रति सम्मान, सेवा और भारतीय संस्कृति के पारिवारिक मूल्यों को प्रोत्साहित करना है। राम रथ श्रवण यात्रा के माध्यम से बुजुर्गों की धार्मिक आस्था का सम्मान करते हुए उन्हें तीर्थ स्थलों के दर्शन कराने का प्रयास किया जा रहा है। भारतीय परंपरा में माता-पिता की सेवा और उनका सम्मान सर्वोच्च कर्तव्यों में शामिल है। इसी

भावना के अनुरूप यह पहल बुजुर्गों को धार्मिक यात्रा का अवसर देने के साथ समाज में उनके प्रति संवेदनशीलता का संदेश भी दे रही है। 65वीं यात्रा का शुभारंभ इस अभियान की निरंतरता को दर्शाता है। इस पहल के जरिए जनसेवा को विकास कार्यों से आगे बढ़ाते हुए बुजुर्गों की धार्मिक भावनाओं, सम्मान और सुख-सुविधा को भी महत्व दिया जा रहा है। राम रथ श्रवण यात्रा का उद्देश्य बुजुर्गों को तीर्थ दर्शन का अवसर उपलब्ध कराने के साथ नई पीढ़ी को माता-पिता की सेवा, सामाजिक दायित्व और सनातन संस्कृति के मूल्यों के प्रति प्रेरित करना है। यात्रा के रवाना होने पर श्रद्धालुओं की सुखद, सुरक्षित और मंगलमय यात्रा की कामना की गई।

विधान परिषद चुनावः मतदान के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना

- मथुरा में स्नातक के 10,669 और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के 6,694 मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग
- 23 अक्टूबर को सुबह 8 से शाम 4 बजे तक होगा मतदान, 27 अक्टूबर को मतगणना

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के आगरा खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के लिए गुरुवार को पोलिंग पार्टियों को मतदान सामग्री उपलब्ध कराकर रवाना किया गया। मंडलायुक्त नागेंद्र प्रताप, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार की उपस्थिति में मतदान दलों की रवानगी की प्रक्रिया संपन्न हुई। अधिकारियों ने मतदान से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिले

में 23 अक्टूबर को सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा। इसके लिए स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 15 मतदान केंद्रों पर 19 मतदेय स्थल तथा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 15 मतदान केंद्रों पर 19 मतदेय स्थल बनाए गए हैं। 17,363 मतदाता करेंगे मतदान

निर्वाचक नामावली के अंतिम प्रकाशन छह जनवरी 2026 के अनुसार, जिले में खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में कुल 10,669 मतदाता हैं। इनमें 7,175 पुरुष और 3,494 महिला मतदाता शामिल हैं। वहीं, खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में कुल 6,694 मतदाता हैं।

राइस मिलर्स ने प्रोत्साहन राशि बढ़ाकर 100 रुपये प्रति क्विंटल करने की उठाई मांग

यूपी में धान खरीद नीति पर मंथन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत धान खरीद व्यवस्था को सुचारु और पारदर्शी बनाने के लिए खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति मंत्री मनोज कुमार पाण्डेय ने राइस मिलर्स संघों के प्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। बापू भवन स्थित मंत्री कार्यालय में हुई बैठक में धान खरीद नीति से जुड़ी व्यावहारिक समस्याओं, चावल की रिकवरी, प्रोत्साहन राशि, मिलों के संबद्धीकरण और लंबित भुगतान समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई। राइस मिलर्स ने समाप्त की गई प्रोत्साहन राशि को दोबारा लागू करने और उसमें बढ़ोतरी करने की मांग उठाई।

मंत्री ने प्रतिनिधियों की समस्याएं सुनने के बाद संबंधित अधिकारियों को सभी प्रस्तावों का नियमानुसार

परीक्षण कर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों की उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने और धान खरीद व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने राइस मिलर्स को धान खरीद और चावल आपूर्ति व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए उनकी व्यावहारिक समस्याओं के समाधान पर जोर दिया।

बैठक में राइस मिलों के ऑनलाइन संबद्धीकरण की प्रक्रिया को सरल और व्यावहारिक बनाने का मुद्दा भी उठा। प्रतिनिधियों के मुताबिक, संबद्धीकरण की प्रक्रिया में व्यावहारिक कठिनाइयों के कारण धान खरीद और मिलिंग के

प्रोत्साहन राशि 35 से बढ़ाकर 50 या 100 रुपये करने की मांग

बैठक में राइस मिलर्स संघों की ओर से खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समाप्त की गई प्रोत्साहन राशि को फिर से लागू करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। प्रतिनिधियों ने मिलिंग कार्य से जुड़ी लागत और व्यावहारिक कठिनाइयों का हवाला देते हुए प्रोत्साहन राशि बढ़ाने के अलग-अलग प्रस्ताव रखे। संघों की ओर से प्रोत्साहन राशि 35 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 50 रुपये और 100 रुपये प्रति क्विंटल किए जाने की मांग की गई। इस पर मंत्री ने अधिकारियों को दोनों प्रस्तावों का वित्तीय और नीतिगत परीक्षण करने के निर्देश दिए। फिलहाल प्रोत्साहन राशि को दोबारा लागू करने या बढ़ाने का कोई अंतिम निर्णय घोषित नहीं किया गया है।

काम में व्यवधान पैदा हो सकता है। इस पर मंत्री ने अधिकारियों को मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि संबद्धीकरण से जुड़ी प्रक्रियाओं के कारण धान खरीद प्रभावित न हो।

हाइब्रिड धान की रिकवरी में छूट बढ़ाने का प्रस्ताव

राइस मिलर्स ने हाइब्रिड धान की कुटाई के दौरान चावल की रिकवरी में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों का मुद्दा भी उठाया। प्रतिनिधियों ने वर्तमान में मिल रही 1.5 प्रतिशत की छूट को बढ़ाकर 2 प्रतिशत करने की मांग की। इसके साथ ही रिकवरी से संबंधित क्षतिपूर्ति के प्रावधानों की समीक्षा करने का अनुरोध किया गया। मिलर्स का कहना था कि धान की किस्म और कुटाई की परिस्थितियों के कारण चावल की रिकवरी प्रभावित हो सकती है। ऐसे में मौजूदा मानकों की समीक्षा जरूरी है।

जीत : युवाओं को सपने साकार करने के लिए प्रेरित करेगी स्वाति की सफलता - मुख्यमंत्री

एशियन पैरा गेम्स में स्वाति चौधरी ने बढ़ाया यूपी का मान, सीएम योगी ने दी बधाई

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। एशियन पैरा गेम्स-2026 में तीरंदाजी की महिला W1 स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली उत्तर प्रदेश की बेटी स्वाति चौधरी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर उनकी उपलब्धि को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि स्वाति की सफलता भारत के अनगिनत युवाओं को अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करेगी। प्रदेश में स्टेडियम, बहुउद्देशीय क्रीड़ा हॉल, स्विमिंग पूल और सिंथेटिक कोर्ट जैसी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। एक जनपद-एक खेल योजना के तहत सभी 75 जिलों में खेलो इंडिया सेंटर स्वीकृत किए गए

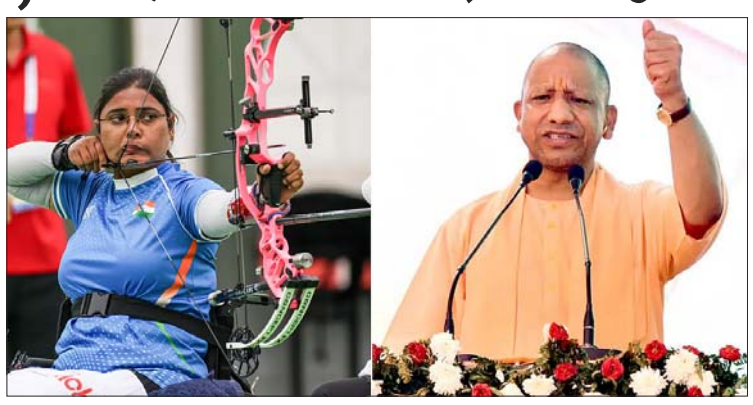

हैं। इन केंद्रों के माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को प्रशिक्षण, खेल किट और आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देने के लिए लखनऊ, गोरखपुर, सैफई, फतेहपुर और सहारनपुर में पांच स्पोर्ट्स कॉलेज संचालित हैं। यहां 14 खेलों में प्रशिक्षण के साथ खिलाड़ियों को निःशुल्क आवास, भोजन और शिक्षा की सुविधा मिलती है। वहीं मेरठ में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय की स्थापना खेल शिक्षा और उच्चस्तरीय प्रशिक्षण को नई दिशा देने की पहल है।

स्वाति चौधरी की उपलब्धि पर सीएम योगी ने जताया गर्व

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी को आप (स्वाति चौधरी) पर गर्व है। उन्होंने स्वाति के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। वहीं योगी सरकार के कार्यकाल में खेलों के विकास और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में व्यापक बदलाव देखने को मिला है। सरकार ने खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए प्रशिक्षण, आधुनिक खेल सुविधाओं, आर्थिक सहायता, पुरस्कार और सरकारी नौकरी तक अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया है। उद्देश्य प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए अनुकूल माहौल देना है।

पदक पर करोड़ों का पुरस्कार, नौकरी के अवसर

योगी सरकार ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन को सम्मान देने के लिए आकर्षक पुरस्कार राशि निर्धारित की है। ओलंपिक में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने पर छह करोड़, रजत पदक पर चार करोड़ और कांस्य पदक पर दो करोड़ रुपये देने का प्रावधान है। खिलाड़ियों के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए सरकारी नौकरियों में अवसर बढ़ाए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए राजपत्रित पदों पर नियुक्ति का प्रावधान है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 28,438 जोड़ों ने थामा एक-दूजे का हाथ

जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह में मददगार बनी योजना

- वित्तीय वर्ष 2026-27 में 72,540 विवाह का लक्ष्य, 1,15,658 आवेदन आए
- हरदोई प्रदेश में पहले और सीतापुर दूसरे स्थान पर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए बेटियों की शादी में मददगार साबित हो रही है। समाज कल्याण विभाग की ओर से संचालित इस योजना के तहत प्रदेश में सामूहिक विवाह के माध्यम से पात्र जोड़ों को नया जीवन शुरू करने का अवसर मिल रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 28,438 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया जा चुका है। प्रदेश सरकार ने इस वर्ष 72,540 जोड़ों के विवाह का लक्ष्य रखा है। संयुक्त निदेशक एवं योजनाधिकारी श्री आरपी सिंह ने बताया कि अब तक प्रदेशभर से 1,15,658 आवेदन प्राप्त हुए हैं। आवेदनों की जांच के दौरान 34,654 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं, जबकि 11,540 आवेदन अपात्र पाए गए। उन्होंने बताया कि सामूहिक विवाह संपन्न कराने के मामले में हरदोई प्रदेश में सबसे आगे है। यहां अब तक 1,385 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया है। सीतापुर में 1,335 जोड़ों के विवाह के साथ दूसरा स्थान है। इसके बाद आजमगढ़ में 1,242 और पीलीभीत में 1,271 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया है। योजना में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ई-केवाईसी के माध्यम से आवेदकों का सत्यापन तथा ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के जरिए आय एवं जाति प्रमाण पत्रों का डिजिटल सत्यापन किया जा रहा है। आधार आधारित भुगतान व्यवस्था के माध्यम से पात्र लाभार्थियों के आधार से जुड़े बैंक खातों में सहायता राशि सीधे पहुंचाने की व्यवस्था भी की जा रही है। योजना के तहत हर जोड़े के विवाह पर कुल एक लाख रुपये की सहायता का प्रावधान है। इसमें 64 हजार रुपये कन्या के बैंक खाते में गृहस्थी बसाने के लिए, 21 हजार रुपये वैवाहिक उपहार सामग्री के लिए और 15 हजार रुपये विवाह समारोह की आवश्यक व्यवस्थाओं पर खर्च किए जाते हैं। इस योजना का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहायता देना और बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न कराने में सहयोग करना है।

कक्षा तीन से आठ तक के लिए नया पाठ्यक्रम, शैक्षणिक सत्र 2026-27 से सभी संबद्ध स्कूलों में होगा लागू

सीबीएसई बोर्ड के स्कूलों में कोर्स में शामिल हो रहा एआई

तैयारी

तमसा संकेत, एजेंसी

शिक्षा के क्षेत्र में कंप्यूटेशनल थिंकिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का महत्व लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों को इन विषयों से शुरुआती स्तर पर परिचित कराने की पहल को आधुनिक शिक्षा से जोड़कर देखा जा रहा है। नए पाठ्यक्रम के जरिए बच्चों को तकनीक की बुनियादी समझ देने के साथ भविष्य में डिजिटल क्षेत्र से जुड़े विषयों को सीखने के लिए तैयार करने पर जोर रहेगा। सीबीएसई के डिप्टी सिटी कोऑर्डिनेटर डॉ. रामानंद चौहान के अनुसार, आगरा जिले के सभी संबद्ध स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से यह कार्यक्रम शुरू हो जाएगा।

आगरा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) विद्यार्थियों को तकनीक और आधुनिक शिक्षा से जोड़ने के लिए नया पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। इसके तहत कक्षा तीन से आठ तक के विद्यार्थियों को कंप्यूटेशनल थिंकिंग (सीटी) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की पढ़ाई कराई जाएगी। यह पहल शैक्षणिक सत्र 2026-27 से लागू होगी। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में तार्किक सोच, समस्या समाधान और तकनीक को समझने की क्षमता विकसित करना है।

तार्किक सोच और समस्या समाधान पर रहेगा जोर

कंप्यूटेशनल थिंकिंग के माध्यम से विद्यार्थियों को किसी समस्या को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर समझने और उसका समाधान खोजने की प्रक्रिया सिखाई जाती है। इससे बच्चों में तार्किक ढंग से सोचने, पैटर्न पहचानने और किसी कार्य को चरणबद्ध तरीके से पूरा करने की क्षमता विकसित करने में मदद मिलती है।

वहीं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को इस तकनीक की बुनियादी समझ दी जाएगी। इससे वे जान सकेंगे कि एआई आधारित तकनीक किस तरह काम करती है और दैनिक जीवन में इसका उपयोग कहां-कहां किया जा रहा है।

कक्षा तीन से आठ तक के विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

सीबीएसई की इस पहल में कक्षा तीन से आठ तक के विद्यार्थियों को शामिल किया गया है। शुरुआती कक्षाओं से ही इन विषयों की जानकारी मिलने से बच्चों को डिजिटल तकनीक और आधुनिक शिक्षा की अवधारणाओं को समझने का अवसर मिलेगा।

आगरा में सभी संबद्ध स्कूलों में नए सत्र से कार्यक्रम लागू किए जाने की जानकारी दी गई है। इससे स्कूलों में पढ़ाई के दौरान तकनीकी ज्ञान और तार्किक क्षमता विकसित करने पर जोर बढ़ेगा। हालांकि, पाठ्यक्रम के विस्तृत स्वरूप, विषयवार पढ़ाई और मूल्यांकन से संबंधित जानकारी बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुसार स्पष्ट होगी।

ऑनलाइन आवेदन के बावजूद स्नातक मतदाता सूची में नहीं जुड़े नाम

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। स्नातक विधान परिषद चुनाव की मतदाता सूची में ऑनलाइन आवेदन करने और आवश्यक दस्तावेजों की हार्ड कॉपी जमा कराने के बावजूद नाम शामिल नहीं होने का मामला सामने आया है। कस्बा बलदेव निवासी सुजीत वर्मा और ग्राम पटलौनी निवासी अतुल कुमार ने इस संबंध में संबंधित अधिकारियों से शिकायत कर जांच और कार्रवाई की मांग की है। सुजीत वर्मा के अनुसार, उन्होंने 6 अक्टूबर 2025 को अपने और परिवार के सदस्यों के स्नातक मतदाता बनने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था। आवेदन के बाद सभी आवश्यक दस्तावेजों की हार्ड कॉपी विकास खंड कार्यालय बलदेव में जमा कराई थी। इसके बावजूद उनके परिवार के किसी भी सदस्य का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हुआ।

वहीं, ग्राम पटलौनी निवासी अतुल कुमार ने भी स्नातक मतदाता बनने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था और आवश्यक दस्तावेजों की हार्ड कॉपी विकास खंड कार्यालय बलदेव में जमा कराई थी। इसके बावजूद उनका नाम भी मतदाता सूची में शामिल नहीं किया गया।

फास्ट न्यूज

राम रतन ने पैरा एशियन गेम्स में जीता रजत पदक

मथुरा। मथुरा के गांव नरी के रहने वाले राम रतन सिंह ने जापान में पैरा एशियन गेम्स 2026 में सिल्वर मेडल जीता है। उन्होंने डिस्क थ्रो में 10.35 मीटर दूर चक्का फेंककर दूसरा स्थान हासिल किया। उनकी इस सफलता से परिवार और गांव में खुशी का माहौल है। गांव के लोग उनके लौटने का इंतजार कर रहे हैं और स्वागत की तैयारी कर रहे हैं।

शराब पीने वालों को पकड़ने के लिए चलाया चेकिंग अभियान

अलीगढ़। अलीगढ़ में त्योहारों के दौरान सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस ने बुधवार देर रात सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ अभियान चलाया। रात करीब 11:30 बजे जिले के नौ सर्किल में 92 स्थानों पर चेकिंग की गई। इस दौरान 841 संदिग्ध लोगों की जांच की गई। पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भी कार्रवाई की। यह अभियान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाया गया। इगलास सर्किल में सबसे ज्यादा 136 संदिग्ध लोगों की जांच हुई।

मथुरा में 20 किसानों पर एफआईआर

मथुरा। मथुरा के छाता में बंद पड़ी शुगर मिल को शुरू कराने की मांग को लेकर चल रहे धरने में मंगलवार को बवाल हो गया। पुतला दहन के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव हुआ। छाता थाने में दरोगा अंकित मलिक की तहरीर पर दर्ज एफआईआर के मुताबिक, आसपास के गांवों से लोग ट्रैक्टरों पर सवार होकर धरनास्थल पहुंचे थे। आरोप है कि उनके हाथों में लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर थे।

प्लंबिंग का हुनर बनेगा रोजगार की सीढ़ी

मॉडल इंटर कॉलेज सोनई में विद्यार्थियों को दिया व्यावहारिक प्रशिक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज, सोनई में व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत प्लंबिंग ट्रेड के विद्यार्थियों के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें विद्यार्थियों को प्लंबिंग के व्यावहारिक कौशल और रोजगार की संभावनाओं की जानकारी दी गई।

प्रधानाचार्य डॉ. अखिलेश यादव ने कहा कि कौशल शिक्षा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम है। प्लंबिंग के क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए रोजगार के साथ स्वरोजगार की भी अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता के साथ कार्य की गुणवत्ता, सुरक्षा और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया।

कार्यशाला में विद्यार्थियों को पाइप

फिटिंग, जलापूर्ति व्यवस्था, सैनिटेशन और आधुनिक प्लंबिंग तकनीकों की जानकारी दी गई। वोकेशनल ट्रेड प्रशिक्षक उमेश कुमार ने प्रशिक्षण गतिविधियों और रोजगार के अवसरों के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यशाला में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण विद्यार्थियों को हुनरमंद बनाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने में सहायक हैं।

मुरादाबाद में पीईटी के लिए 52 केंद्र तैयार

1.40 लाख अभ्यर्थी देंगे परीक्षा: सुरक्षा के साथ परिवहन और ठहरने की व्यवस्था पर फोकस

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2026 को नकलविहीन और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिले में 25 और 30 अक्टूबर तथा 1 नवंबर को परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके लिए कुल 52 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 1,40,112 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के पहुंचने को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा, यातायात, परिवहन और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर जरूरी इंतजाम किए हैं। परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा के लिए अपर जिलाधिकारी (नगर) अंकुर श्रीवास्तव की अध्यक्षता में पंचायत भवन सभागार में बैठक आयोजित की गई। इसमें संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में परीक्षा केंद्रों पर

सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों के आवागमन और परीक्षा को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। एडीएम ने सभी अधिकारियों को आयोग के निर्धारित मानकों के अनुसार अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। पीईटी में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के मुरादाबाद पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने परिवहन व्यवस्था पर भी ध्यान दिया है। रेलवे और उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के अधिकारियों के साथ बैठक कर अभ्यर्थियों के आवागमन को सुचारू बनाए रखने पर चर्चा की गई।

सेक्टर मजिस्ट्रेटों के साथ तैनात रहेगा पुलिस बल

परीक्षा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रत्येक केंद्र पर निगरानी और सुरक्षा के इंतजाम किए जाएंगे। एसपी सिटी रणविजय सिंह ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सेक्टर मजिस्ट्रेटों के साथ पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। पुलिसकर्मी परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्था बनाए रखने के साथ सुरक्षा संबंधी जिम्मेदारियां भी निभाएंगे। प्रशासन की ओर से अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि परीक्षा के दौरान सतर्कता बनाए रखें और किसी भी समस्या की स्थिति में तत्काल आवश्यक कदम उठाएं।

परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी से होगी निगरानी

परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखने और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी रोकने के लिए सभी केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं। एडीएम ने सेक्टर मजिस्ट्रेटों को परीक्षा शुरू होने से पहले अपने-अपने आवंटित केंद्रों का निरीक्षण करने को कहा है। निरीक्षण के दौरान सीसीटीवी कैमरों की स्थिति, उनकी कार्यशीलता और सुरक्षा से जुड़े अन्य इंतजामों की जांच की जाएगी। प्रशासन का जोर इस बात पर है कि परीक्षा के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाओं की पहले से जांच कर कमियों को दूर करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि परीक्षा के दिन किसी तरह की परेशानी न आए।

प्रशासन का प्रयास है कि अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए परिवहन से जुड़े अधिकारियों को जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा के दिनों में यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया गया है।

5 करोड़ की दवाओं की जांच अटकी

झाड़ियों से मिलीं थी 5 नामी कंपनियों की दवाईयां, नोटिस का जवाब नहीं देने पर विभाग ने भेजा रिमाइंडर

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के धनौली और टेढ़ी बगिया में बरामद नामी कंपनियों की दवाओं के मामले में जांच की रफ्तार धीमी पड़ती नजर आ रही है। दवाओं की वास्तविकता, उनके स्रोत और सप्लाई से जुड़ी जानकारी जुटाने के लिए औषधि विभाग की ओर से पांच कंपनियों को नोटिस जारी किए गए थे। हालांकि, नोटिस भेजे जाने के एक सप्ताह बाद भी किसी कंपनी की ओर से जवाब नहीं मिला है। निर्धारित समय में जानकारी नहीं मिलने पर विभाग ने अब दोबारा रिमाइंडर भेजकर जवाब मांगा है। इस मामले में बड़ी मात्रा में दवाओं की बरामदगी के बाद से ही उनके स्रोत और आपूर्ति के तरीके को लेकर सवाल उठ रहे हैं। विभाग की जांच का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि बरामद दवाएं कहां से आई थीं, उनकी आपूर्ति किस माध्यम से की गई और संबंधित कंपनियों का इन दवाओं से क्या संबंध है। आगरा के

लैब रिपोर्ट आने में लग सकते हैं दो सप्ताह

औषधि निरीक्षक आशुतोष मिश्रा के मुताबिक, संबंधित कंपनियों की ओर से अभी तक जवाब नहीं मिला है। इसलिए उन्हें रिमाइंडर भेजे जा रहे हैं। दवाओं के नमूनों की लैब जांच पूरी होने में करीब दो सप्ताह और लग सकते हैं। कंपनियों की रिपोर्ट और लैब जांच के नतीजों के आधार पर ही बरामद दवाओं की वास्तविकता को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

धनौली क्षेत्र में एक अवैध गोदाम से दवाएं बरामद की गई थीं। इसके अलावा टेढ़ी बगिया इलाके में नाले और झाड़ियों से भी बड़ी मात्रा में दवाएं मिली थीं। बरामद दवाओं की अनुमानित कीमत करीब पांच करोड़ रुपये बताई गई है। इतनी बड़ी मात्रा में दवाएं मिलने के बाद मामला औषधि विभाग की जांच के दायरे में आया। प्रारंभिक जांच में बरामद दवाओं पर देश-विदेश की पांच नामी कंपनियों के नाम सामने आने की बात कही गई थी। इसके बाद विभाग ने संबंधित कंपनियों से जानकारी हासिल करने के लिए नोटिस जारी किए। कंपनियों से दवाओं की वास्तविकता और उनकी आपूर्ति से संबंधित विवरण मांगा गया था, ताकि बरामद खेप के पीछे की पूरी कड़ी का पता लगाया जा सके।

बैच नंबर और क्यूआर कोड से दवाओं की पहचान

औषधि विभाग ने संबंधित कंपनियों को ईमेल के जरिए दवाओं के बैच नंबर, एक्सपायरी डेट, QR कोड और अन्य विवरण भेजे थे। उनसे पूछा गया था कि बरामद दवाएं उनकी कंपनी की हैं या नहीं। दवाएं कंपनी की होने पर उनकी बिक्री और सप्लाई से जुड़ी जानकारी मांगी गई थी। वहीं, दवाएं कंपनी की नहीं होने की स्थिति में इस संबंध में रिपोर्ट देने को कहा गया था।

बलदेव में धूमधाम से मनाई गई महाराजा अग्रसेन जयंती

नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. मुरारी लाल अग्रवाल ने अग्र युवा मंडल के संयोजक को भेंट किया स्मृति चिह्न

तमसा संकेत, संवाददादात

बलदेव, मथुरा। महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव 2026 का आयोजन बलदेव स्थित होटल गोयल विरासत में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ किया गया। महोत्सव में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया। इस दौरान अग्र युवा मंडल के संयोजक विपिन अग्रवाल को नगर पंचायत बलदेव के अध्यक्ष डॉ. मुरारी लाल अग्रवाल ने स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बच्चों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों से उपस्थित लोगों का मनोरंजन किया। महोत्सव के दौरान लकी ड्रॉ का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम पुरस्कार के रूप में एसी तथा द्वितीय पुरस्कार के रूप

में फ्रिज सहित अन्य पुरस्कार निकाले गए। लकी ड्रॉ को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में अनिल अग्रवाल भट्टी वाले मौजूद रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता रोहित मोदी ने की। इस अवसर पर राहुल अग्रवाल, विकास अग्रवाल, सुदीप बंसल, शुभम अग्रवाल, मनोज मंगलमय बंसल, तरुण गोयल, डॉ. मुरली अग्रवाल, अध्यक्ष राकेश गोयल, तरुण गोयल और अजय अग्रवाल सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह, उमंग और आपसी भाईचारे का माहौल बना रहा। उपस्थित लोगों ने महाराजा अग्रसेन के आदर्शों को याद करते हुए समाज में एकता, सहयोग और समृद्धि को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। महोत्सव के दौरान लकी ड्रॉ का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम पुरस्कार के रूप में एसी तथा द्वितीय पुरस्कार के रूप में फ्रिज सहित अन्य पुरस्कार निकाले गए। लकी ड्रॉ को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।

पृष्ठ 01 का शेष...

श्रद्धा दुबे समेत तीनों ...

तीनों आरोपियों को नागपुर से गिरफ्तार कर लखनऊ लाया गया था। कोर्ट ने तीनों को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मेडिकल कराने के बाद तीनों आरोपियों को पुलिस कोर्ट लेकर पहुंची है। मॉडल श्रद्धा को पुलिस कोर्ट में पेश कर 14 दिन की रिमांड मांगेगी। सिविल अस्पताल में मॉडल श्रद्धा समेत अन्य आरोपियों का 35 मिनट तक मेडिकल हुआ। इसके बाद पुलिस तीनों को लेकर कोर्ट के लिए निकल चुकी है। मेडिकल के बाद मीडियाकर्मियों के सवाल का तीनों ने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने बताया कि पूछताछ में सामने आए तथ्यों के आधार पर जांच की जा रही है। साथ ही, पिछले 10 दिनों के दौरान आरोपियों की किस-किस ने मदद की, इसकी भी पड़ताल की जा रही है। आरोपियों की मदद करने वालों के खिलाफ साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। मॉडल श्रद्धा से साढ़े 6 घंटे पूछताछ के बाद पुलिस ने सिविल अस्पताल में मेडिकल कराने के लिए लेकर आई है। यहां मॉडल श्रद्धा उसकी बहन रश्मि और ड्राइवर दानिश का मेडिकल कराया जा रहा है। इस दौरान अस्पताल परिसर में भारी पुलिस बल तैनात है। मॉडल श्रद्धा, बहन रश्मि और ड्राइवर दानिश को लेकर पुलिस वैन से सिविल अस्पताल में मेडिकल कराने के लिए रवाना हो गई है। तीनों को मेडिकल कराने के बाद पुलिस कोर्ट में पेश करेगी। इससे पहले पुलिस ने तीनों से शिवा हत्याकांड को लेकर 6 घंटे 35 मिनट तक पूछताछ किया। श्रद्धा दुबे के सिविल अस्पताल पहुंचने से पहले ही परिसर को छावनी में तब्दील कर दिया गया। सुरक्षा के मद्देनजर अस्पताल में पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई। परिसर में आने-जाने वालों पर नजर रखी जा रही है। सिविल हॉस्पिटल में कुछ ही देर में तीनों आरोपियों को मेडिकल के लिए लाया जाएगा। पहले से ही यहां मीडिया का जमावड़ा है। यहां भी सुरक्षा चाक-चौबंध किया गया है। मेडिकल कराने के बाद तीनों को कोर्ट में पेश किया जाएगा। अभी हजरतगंज थाने में पुलिस के आला अधिकारी मॉडल श्रद्धा, बहन रश्मि और ड्राइवर से पूछताछ कर रही है। शिव शर्मा हत्याकांड मामले में मुख्य आरोपी श्रद्धा दुबे सहित अन्य आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड के बाद यूपी पुलिस और STF की टीम राजधानी लखनऊ के हजरतगंज थाने लेकर पहुंची।

सीजेपी के प्रदर्शन ...

दोनों को 50-50 हजार रुपये के बॉन्ड पर रिहा किया गया। दिल्ली पुलिस ने 13 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान दोनों को हिरासत में लिया था। सरकार ने 12 अक्टूबर को जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की लिस्ट से हटा दिया था। इसके बावजूद 13 अक्टूबर को आशुतोष और सौरव तिरंगा लेकर वहां पहुंच गए। शांति नियम तोड़ने के आरोप में उन्हें 5 दिन के लिए जेल भेजा गया था। फिर 19 अक्टूबर को उनकी हिरासत 2 दिन और बढ़ा दी गई थी। इससे पहले बुधवार को ही दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में दखल देने से मना कर दिया। कोर्ट ने कहा था कि नेता पहले मजिस्ट्रेट का फैसला आने दें। जरूरत पड़ने पर ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाएं। AISA अध्यक्ष नेहा बोरा ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में कहा कि वह CJP के 16 अक्टूबर के प्रदर्शन के आह्वान में शामिल नहीं थीं। उनका प्रदर्शन अलग था। बोरा ने दिल्ली पुलिस के उस नोटिस को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें जांच के दौरान शांति बनाए रखने के लिए 10,000 का निजी मुचलका और एक जमानतदार देने को कहा गया है था। उनके वकील गोपाल शंकरनारायणन ने बोरा की ओर से उनकी हिरासत को 'पूरी तरह अवैध' बताया।

ब्रह्मोस-एनजी से ...

मौजूदा ब्रह्मोस के वजन के कारण सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान पर सामान्य तौर पर एक मिसाइल तैनात की जाती है। ब्रह्मोस-NG का हल्का आकार इसे एक विमान पर तीन मिसाइलें ले जाने के अनुकूल बना सकता है। इसके अलावा, इसे तेजस और राफेल जैसे लड़ाकू विमानों पर तैनात करने की संभावना भी विकसित की जा रही है। नई मिसाइल में आधुनिक तकनीक और हल्के पदार्थों के इस्तेमाल की योजना है। इससे विमान के साथ इसकी अनुकूलता बढ़ाने और अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर इस्तेमाल की संभावनाओं को विस्तार देने का लक्ष्य है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक डॉ. जयतीर्थ जोशी ने ANI को दिए इंटरव्यू में बताया कि ब्रह्मोस अपनी शुरुआती 290 किलोमीटर की स्ट्राइक रेंज से आगे की क्षमता प्रदर्शित कर चुकी है। उनके मुताबिक, कंपनी 1,500 किलोमीटर रेंज वाली मिसाइल की संभावना पर भी विचार कर रही है। हालांकि, यह प्रस्ताव अभी शुरुआती अवधारणा के स्तर पर है और इस संबंध में रूस के साथ बातचीत चल रही है। डॉ. जोशी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस के प्रदर्शन के बाद विदेशी सेनाओं की इसके परिचालन और तकनीकी मानकों में दिलचस्पी बढ़ी है। उनके मुताबिक, आधुनिक सेनाएं ऐसे हथियार चाहती हैं जो तेजी से बदलते युद्ध के माहौल में प्रभावी ढंग से काम कर सकें। उन्होंने ब्रह्मोस को आधुनिक हथियार बताते हुए कहा कि यह समय के साथ विकसित हो रही है और अपनी क्षमता प्रदर्शित कर चुकी है। उन्होंने यह भी दावा किया कि ऑपरेशन के दौरान मिसाइल ने निर्धारित दुश्मन ठिकानों पर सटीक निशाना लगाया और एक भी मिसाइल इंटरसेप्ट नहीं हुई।

दिल्ली नगर निगम ...

इस पर पलटवार करते दानिश ने कहा कि वह शगुफ्ता चौधरी नहीं हैं, जो भाजपा में चली जाएंगी। इस तकरार से सदन का माहौल और गरमा गया। अब यह पूरा मामला सदन की अनुशासनात्मक कमेटी को भेज दिया गया है, जो आरोपी पार्षदों के बर्ताव की जांच कर कार्रवाई तय करेगी।

सोनिया गांधी पहली ...

इसमें नेहरू-गांधी परिवार में शादी और परिवार में हुई हत्याओं के बाद बदली जिंदगी के बारे में लिखा है। 'Belonging' की शुरुआत युद्ध के बाद इटली के वेनेटो क्षेत्र में सोनिया के बचपन से होती है। इसके बाद किताब में उनके कैम्ब्रिज जाने और 1965 में भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के पोते राजीव गांधी से मुलाकात का जिक्र है। आत्मकथा में राजीव गांधी से उनकी शादी और अपनी सास, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से पहली मुलाकात का भी वर्णन है। इसमें भारत में जीवन के साथ तालमेल बैठाने के उनके अनुभव शामिल हैं। इनमें हिंदी सीखना, साड़ी पहनना और भारतीय खानपान व संस्कृति को अपनाना भी शामिल है। किताब में गांधी परिवार को बदलकर रख देने वाली बड़ी त्रासदियों का भी जिक्र है। इनमें विमान हादसे में संजय गांधी की मौत, 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या और 1991 में राजीव गांधी की हत्या शामिल हैं। आत्मकथा में 2004 के लोकसभा चुनाव के बाद के राजनीतिक घटनाक्रम का भी वर्णन है। उस चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत हुई थी। इसके बाद सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री बनने से इनकार कर दिया और पार्टी व गठबंधन का नेतृत्व किया। कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन अगले 10 साल तक देश की सत्ता में रहा। 1991 में राजीव गांधी की हत्या के बाद भी सोनिया राजनीति से दूर रहीं। पीवी नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री बने। 1996 तक कांग्रेस कमजोर होने लगी और पार्टी में कई गुट बन गए।

1997 में कांग्रेस को एकजुट करने के लिए सोनिया ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ली। 62 दिन बाद 1998 में वे कांग्रेस अध्यक्ष बन गईं। सोनिया 2017 तक अध्यक्ष रहीं, जो पार्टी के इतिहास में सबसे लंबा कार्यकाल है।

2004 में कांग्रेस ने 14 सहयोगी दलों के साथ UPA बनाया। चुनाव के बाद लेफ्ट समेत कई दलों के समर्थन से UPA को 335 सांसदों का समर्थन मिला। सहयोगियों ने सोनिया गांधी को प्रधानमंत्री बनाने का समर्थन किया, लेकिन उन्होंने 18 मई 2004 को पद ठुकरा दिया। इसके बाद मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने। हालांकि, NDA ने सोनिया के विदेशी नागरिक का मुद्दा उठाकर उनके पीएम बनने का विरोध किया।

जापान में पैरा एशियन गेम्स से वापस भेजा

भारतीय स्विमर पर होटल स्टाफ से छेड़छाड़ का आरोप

विचार

एक रिपोर्ट के अनुसार, पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया शम्स आलम पर लाइफ टाइम बैन लगाने पर विचार कर रही है।

नई दिल्ली, एजेंसी

पैरा एशियन गेम्स में हिस्सा लेने गए भारतीय तैराक मोहम्मद शम्स आलम शेख को जापान से वापस भेज दिया गया है। उन पर नागोया के होटल में महिला हाउसकीपिंग कर्मचारी का यौन उत्पीड़न करने के आरोप लगे हैं। मामला सोमवार 19 अक्टूबर का है। आलम शेख को मंगलवार 20 अक्टूबर को डिपोर्ट किया गया। मामले की जानकारी गुरुवार को बाहर आई।

भारतीय तैराक मोहम्मद शम्स आलम शेख पर जापान में यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है।

स्थानीय आयोजन समिति ने चीफ-डी-मिशन को सूचित किया कि होटल में यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ की घटना हुई है।

स्थानीय पुलिस ने एक भारतीय एथलीट को हिरासत में ले लिया है। जब हम होटल पहुंचे, तब पुलिस और होटल के अधिकारी वहां मौजूद थे।

हमें बताया गया कि एथलीट ने हाउसकीपिंग स्टाफ की एक महिला कर्मचारी को गलत तरीके से छुआ, अश्लील इशारे किए और उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। मोहम्मद शम्स आलम शेख बिहार के मधुबनी जिले के रहने वाले हैं और मुंबई के धारावी इलाके में अपने परिवार के साथ रहते हैं।

2018 पैरा एशियन गेम्स में जीते 2 गोल्ड मेडलशेख ने 2018 में इंडोनेशिया के जकार्ता में हुए एशियन पैरा गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। इस प्रतियोगिता में उन्होंने 200 मीटर और 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में गोल्ड मेडल जीते थे। इंटरनेशनल गेम्स 2025 में रिकॉर्ड भी बनाया 2025 में आइसलैंड के रेक्याविक में हुए इंटरनेशनल गेम्स में शेख ने 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में गोल्ड मेडल जीता था। इस दौरान उन्होंने भारतीय और एशियाई रिकॉर्ड भी बनाए थे। 2026 एशियन पैरा गेम्स में लेने वाले थे हिस्साशेख जापान के नागोया में होने वाले 2026 एशियन पैरा गेम्स में लगातार तीसरी बार हिस्सा लेने वाले थे। हालांकि, आरोपों के बाद उन्हें प्रतियोगिता से लौटना पड़ा।

हमेशा के लिए बैन लग सकता है

भारतीय दल ने लिखित माफी मांगी

शिकायत मिलने के बाद जापान की पुलिस ने 40 साल के शेख को हिरासत में लेकर पुलिस स्टेशन ले गई। पुलिस ने गिरफ्तारी और मामले को अदालत के सामने पेश करने की मांग की थी। इसके बाद स्थानीय आयोजन समिति ने हस्तक्षेप किया।

भारतीय दल की तरफ से महिला कर्मचारी को लिखित माफी देने और खिलाड़ी को जापान से वापस भेजने की व्यवस्था करने को कहा गया। अधिकारी के मुताबिक, शेख को रात बिताने के लिए दूसरे होटल में भेजा गया और मंगलवार को नागोया से भारत रवाना कर दिया गया।

शम्स आलम ने पिछले साल रेक्याविक इंटरनेशनल गेम्स में 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में गोल्ड मेडल जीता था।

अफगानिस्तान की लगातार दूसरी जीत, बांग्लादेश ट्राई सीरीज से बाहर

राशिद खान के 4 विकेट, रहमत शाह की नाबाद फिफ्टी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने वनडे ट्राई सीरीज में बुधवार रात बांग्लादेश पर 7 विकेट की जीत दर्ज की। यह अफगानी टीम की लगातार दूसरी जीत है। इसी के साथ बांग्लादेश बाहर हो गए।

शारजाह में बांग्लादेश की टीम 160 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में अफगानिस्तान ने 35.3 ओवर में 3 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। फाइनल मैच अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच 23 अक्टूबर को खेला जाएगा।

राशिद खान को लगातार दूसरे मैच में 4 विकेट मिले हैं। उन्होंने 2 दिन पहले जिम्बाब्वे के खिलाफ भी 4 विकेट लिए थे।

शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में अफगानिस्तान ने टॉस के बाद पहले गेंदबाजी करते हुए बांग्लादेश को 160 रन पर रोक दिया।

अजमतुल्लाह ओमरजई और यामिन अहमदजई ने 2-2 विकेट चटकाए। बांग्लादेश के लिए विकेट-कीपर परवेज हुसैन एमॉन ने सबसे ज्यादा 70 रन बनाए। हालांकि, उन्हें दूसरे बल्लेबाजों का साथ नहीं मिला। सैफ हसन ने 41 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने 82 गेंद खेलीं। ओपनर तंजिद हसन तमीम सिर्फ 1 रन बना सके। सौम्य सरकार पहली ही गेंद पर गोल्डन डक पर आउट हो गए। कप्तान तौहिद हृदय भी खाता नहीं खोल सके। नजमुल हुसैन शांतो ने 15 रन बनाए। मिडिल ऑर्डर में विकेटकीपर परवेज हुसैन इमॉन ने अर्धशतक लगाकर एक छोर संभाले रखा।

दूसरे छोर पर मेहदी हसन मिराज 2 और शोरिफुल इस्लाम 7 रन बनाकर आउट हो गए। अलिस अल इस्लाम भी खाता नहीं खोल पाए।

दवा से जुड़े नियम तोड़े, तेज गेंदबाज ने अपनी गलती पर माफी मांगी

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर शट दो मैचों के लिए बैन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मेगन शट को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दो मैचों के लिए बैन कर दिया है। उन्होंने प्रिस्क्रिप्शन दवा के इस्तेमाल से जुड़े नियमों का पालन नहीं किया था।

यह घटना ऑस्ट्रेलियाई टीम के बांग्लादेश दौरे से पहले हुई थी। दवा प्रदर्शन बढ़ाने वाली नहीं थी।

33 साल की शट आज तीसरे टी-20 इंटरनेशनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ और WBBL में एडिलेड स्ट्राइकर्स के पहले मैच में नहीं खेलेंगी। स्ट्राइकर्स का मुकाबला 31 अक्टूबर को मेलबर्न स्टार्स से होगा।

शट ने अपने बयान में कहा, मैं दी गई सजा को पूरी तरह स्वीकार करती हूं और अपने से तय मानकों का पालन नहीं कर पाने के लिए माफी मांगती हूं। मुझे मिले सहयोग की मैं सराहना करती हूं। मेगन शट ने दिसंबर 2012 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट से इंटरनेशनल डेब्यू किया था। वह अपनी स्विंग गेंदबाजी और सटीक लाइन-लेंथ के लिए जानी जाती हैं। 2013 वनडे वर्ल्ड कपः भारत में हुए वर्ल्ड कप में 15 विकेट लेकर टूर्नामेंट की सबसे सफल गेंदबाज रहीं। ऑस्ट्रेलिया ने खिताब जीता। 2018 टी-20 इंटरनेशनलः भारत के खिलाफ हैट्रिक ली।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को जारी बयान में बैन की जानकारी दी। शट ने सजा स्वीकार कर ली है। दो मैचों का बैन इंटरनेशनल और डोमेस्टिक दोनों क्रिकेट पर लागू होगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा, नियमों का उल्लंघन स्पोर्ट्स साइंस एंड स्पोर्ट्स मेडिसिन गाइडलाइंस के तहत प्रिस्क्रिप्शन दवा से जुड़ी जरूरतों का पालन नहीं करने के कारण हुआ।

शीतल-तोमर ने आर्चरी में दिलाया, सुवर्णा ने विमेंस डिस्कस थ्रो में सोना जीता

पैरा एशियन गेम्स में भारत को दिन का तीसरा गोल्ड

नागोया (जापान), एजेंसी

भारत ने पैरा एशियन गेम्स में गुरुवार को तीसरा गोल्ड मेडल जीत लिया। पैरा तीरंदाजी में शीतल देवी ने महिलाओं के कंपाउंड इंडिविजुअल इवेंट में सोना जीता। इससे पहले शीतल और तोमर कुमार की जोड़ी ने मिक्स्ड आर्चरी में गोल्ड दिलाया था, जबकि सुवर्णा राज ने महिला डिस्कस थ्रो में स्वर्ण पदक जीता। जापान के नागोया में चल रहे गेम्स के चौथे दिन भारतीय खिलाड़ियों ने 3 गोल्ड और 8 ब्रॉन्ज सहित 11 मेडल जीते। भारत मेडल टैली में पांचवें स्थान पर है। उसके अब 17 गोल्ड, 22 सिल्वर और 34 ब्रॉन्ज सहित कुल 73 मेडल हो गए हैं। सुवर्णा ने महिला डिस्कस थ्रो की F54 कैटेरी में 15.66 मीटर थ्रो किया। उन्होंने छह प्रयासों में चार बार 15 मीटर से ज्यादा की दूरी तय की। ईरान की शाहला हदीदी 15.45 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। वियतनाम की थी न्गोक थुई गुयेन ने 14.65 मीटर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। F54 कैटेगरी में ऐसे खिलाड़ी आते हैं, जिनके धड़ और निचले अंगों की कार्यक्षमता प्रभावित होती है। ये खिलाड़ी थ्रोइंग चेयर से मुकाबला करते हैं। शीतल देवी और तोमर कुमार ने कंपाउंड

पैरा तीरंदाजी में शीतल देवी ने गोल्ड मेडल जीत लिया। उन्होंने महिलाओं के कंपाउंड इंडिविजुअल फाइनल में सिंगापुर की नूर आलिम स्याहिदाह को 142-139 से हराया।

मिक्स्ड टीम इवेंट में गोल्ड जीता। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में इंडोनेशिया की थियोडोरा ऑडी ओडिया फेरेली और केन स्वागुमिलांग को 151-148 से हराया। पहले चार तीर के सेट के बाद भारतीय जोड़ी के पास एक अंक की बढ़त थी। दूसरे सेट के बाद यह बढ़त 4 अंक हो गई। तब भारत का स्कोर 77 और इंडोनेशिया का 73 था।

तीसरे सेट में भारतीय जोड़ी के चारों तीर 9 अंक पर लगे। हालांकि, आखिरी सेट में दोनों ने फिर 38 अंक हासिल किए और गोल्ड अपने नाम किया। शीतल देवी का जन्म बिना बाहों के हुआ है। वे पैरों से धनुष चलाती हैं। वे डोरी खींचने और छोड़ने के लिए कंधे और जबड़े का इस्तेमाल करती हैं। शीतल देवी का जन्म बिना बाहों के हुआ है। वे पैरों से धनुष चलाती हैं। वे डोरी खींचने और छोड़ने के लिए कंधे और जबड़े का इस्तेमाल करती हैं।

सुवर्णा ने अपना गोल्ड जीतने वाला थो पांचवें प्रयास में किया और पोडियम में पहला स्थान हासिल किया।

मनोरंजन

दिलजीत दोसांझ के शो को नहीं मिली मंजूरी, दिल्ली से शुरू होने वाला था ऑरा इंडिया टूर

30 अक्टूबर को दिल्ली में नहीं होगा दिलजीत दोसांझ का कॉन्सर्ट

नई दिल्ली। 30 अक्टूबर को दिलजीत दोसांझ दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम (JLN) में परफॉर्म करने वाले थे। उनका ऑरा इंडिया टूर दिल्ली से शुरू होने वाला था। टिकट की बिक्री भी शुरू हो गई थी, लेकिन शायद अब यह कॉन्सर्ट नहीं होगा। दरअसल, दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को दिल्ली पुलिस (Delhi Police) की तरफ से परमीशन नहीं मिली है। पहले ये कॉन्सर्ट 1 नवंबर को होने वाला था, लेकिन 1984 के सिख-विरोधी दंगों की बरसी से जुड़ी संवेदनशीलता के कारण इसे 30 अक्टूबर को रखा गया। मगर अब इसे पोस्टपोन कर दिया गया है। मुताबिक, बुकमाईशो को लिखे एक पत्र में पुलिस उपायुक्त (दक्षिण जिला) के कार्यालय की तरफ से कहा गया, ₹14 अक्टूबर 2026 के आवेदन के संदर्भ में आपको सूचित किया जाता है कि 30 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 'दिलजीत दोसांझ के ऑरा इंडिया टूर दिल्ली' के आयोजन के लिए आपके अनुरोध की हमारे कार्यालय द्वारा समीक्षा की गई है। पत्र में आगे लिखा गया, सुरक्षा संबंधी विशिष्ट खतरों के इनपुट और चल रहे त्योहारी सीजन के कारण सुरक्षा और कानून-व्यवस्था से जुड़ी विभिन्न जिम्मेदारियों और अन्य महत्वपूर्ण कानून-व्यवस्था संबंधी चिंताओं को देखते हुए इस अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को नहीं मिली परमीशन।

भारत में कब-कब है दिलजीत दोसांझ का कॉन्सर्ट?

दिलजीत दोसांझ का ऑरा इंडिया टूर 5 दिसंबर तक चलने वाला है। 30 अक्टूबर को दिल्ली के JLN में कॉन्सर्ट था जोकि शायद अब पोस्टपोन हो सकती है। वहीं, 6 और शहरों में दिलजीत परफॉर्म करने वाले थे।

90 के दशक के आशिकों का फेवरेट था मिथुन-आयशा जुल्का का 'चोरी-चोरी' गाना

कुमार सानू की आवाज, घर-घर में हुआ हिट

नई दिल्ली। बप्पी लहरी को हिंदी सिनेमा में डिस्को किंग (Disco King) के तौर पर जाना जाता है। उनके म्यूजिक में एक अलग ही एनर्जी, अनूठे डिस्को बीट्स और दिल छू लेने वाली मेलोडी होती है।

लोग भले ही बप्पी दा को तेज बीट्स और डिस्को स्टाइल वाले गानों के लिए जानते हो, लेकिन उनके करियर के कुछ सबसे बेहतरीन गाने बेहद धीमे, गहरे और रोमांटिक गाने भी शामिल हैं।

आज ऐसे ही एक गीत के बारे में हम आपको बताने वाले हैं जिसे उसकी सादगी की वजह से कॉलेज के कई नौजवान लड़के-लड़कियां खूब पसंद करते थे। हम बात कर रहे हैं साल 1993 में आई फिल्म दलाल (Dalal) की। इसका गाना चोरी चोरी मैंने भी अंखियां मिलाई रे

काफी पॉपुलर हुआ। इसे मिथुन चक्रवर्ती (Mithun Chakraborty) और आयशा जुल्का (Ayesha Jhulka) पर फिल्माया गया है। इसका संगीत बप्पी लहरी ने दिया था और सुर लगाए थे कुमार सानू और कविता कृष्णामूर्ति ने। इसके लिरिक्स लिखे थे अंजान ने।

कई लोग नहीं जानते हैं लेकिन इस गाने के वीडियो को लेकर कहा जाता है कि मिथुन चक्रवर्ती और आयशा जुल्का के बीच के कई सीन्स काफी हद तक अनस्क्रिप्टेड थे। शूटिंग के दौरान डायरेक्टर पारथो घोष ने इन्हें सीधे कैमरे में कैद कर लिया था। जब यह गाना रिलीज हुआ तो इसकी पॉपुलैरिटी इतनी बढ़ी कि इसके ऑडियो कैसेट धड़ाधड़ बिकने लगे। 90s की रोमांटिक प्लेलिस्ट में ये गाना अभी भी टॉप पर है। चोरी मैंने भी तो अपनी सादगी, सॉफ्ट मेलोडी और शुद्ध रोमांस की वजह से आज भी लोगों का पसंदीदा बना हुआ है। फिल्म दलाल में मिथुन चक्रवर्ती, आयशा जुल्का के अलावा राज बब्बर, शक्ति कपूर, रवि बहल, इंद्रानी बनर्जी और टिन्नू आनंद जैसी दिग्गज कलाकार मुख्य भूमिका में थे।

रामायण के 'रावण तांडव' गाने पर उठे सवाल

एआर रहमान को हटाने की मांग

नई दिल्ली। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म 'रामायण' के दूसरा गाने 'रावण तांडव' की आलोचना हो रही है। 1 मिनट 55 सेकंड लंबे इस गाने में साउथ एक्टर यश रावण के रूप में भगवान शिव की भक्ति करते नजर आ रहे हैं।सोशल मीडिया पर लोगों का कहना है की एआर रहमान का म्यूजिक और डॉ. कुमार विश्वास के लिखे बोल उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं।

दावा किया गया है कि फिल्म में यह गाना 4 मिनट का है, जिसे प्रोमो वर्शन में 1 मिनट 55 सेकंड का करने के चक्कर में ऑडियो क्वालिटी और ओरिजिनल फ्लो से समझौता करना पड़ा है।

कई लोगों ने इस संगीत को उम्मीद के मुताबिक एनर्जेटिक न बताते हुए दूसरे पार्ट के लिए म्यूजिक कंपोजर बदलने तक का सुझाव दिया है।

गाना सामने आते ही सोशल मीडिया यूजर्स ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी। कुछ यूजर्स ने कमेंट करते हुए लिखा कि फिल्म के मिजाज के हिसाब से एआर रहमान का चुनाव सही नहीं था।

लोग इस गाने की तुलना फिल्म 'आदिपुरुष' में अजय-अतुल के बनाए 'शिव तांडव' से कर रहे हैं। क्रिटिक्स का मानना है कि अजय-अतुल का कंपोजिशन आंखें बंद करके सुनने पर भी रोंगटे खड़े कर देता है, जबकि रहमान और हंस जिमर का यह ट्रैक वह इमोशनल इम्पैक्ट नहीं छोड़ पाता। लोग 'रावण तांडव' की तुलना फिल्म 'आदिपुरुष' में अजय-अतुल के बनाए 'शिव तांडव' से कर रहे हैं। लोग 'रावण तांडव' की तुलना फिल्म 'आदिपुरुष' में अजय-अतुल के बनाए 'शिव तांडव' से कर रहे हैं।

टाइगर पर फायरिंग के बाद मनोज बाजपेयी बोले- यह डरावना है, दिव्या दत्ता ने भी जताई चिंता

'गोली कहीं से भी चल जा रही है'

नई दिल्ली। एक्टर टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग के बाद मनोज बाजपेयी और दिव्या दत्ता ने घटना पर चिंता जताई है।

ANI से बातचीत में मनोज बाजपेयी ने कहा कि वह इस घटना को गैंगवार नहीं मानते, लेकिन कहीं से भी गोलियां चलना डराने वाला है। मनोज ने कहा, "मुझे यह गैंगवार नहीं लगता, लेकिन गोली कहीं से भी चल जा रही हैं। यह बड़ा डरावना है। टाइगर के साथ जो हुआ, वह दुखद है और सबसे अच्छी बात यह है कि वह सुरक्षित हैं और उनके ड्राइवर की हालत भी धीरे-धीरे सुधर रही है।" उन्होंने कहा कि खबरों से पता चला है कि मामले की जांच जारी है और आरोपियों को गिरफ्तार कर मुंबई लाया गया है। मनोज ने उम्मीद जताई कि जांच जल्द पूरी होगी और दोषियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई की जाएगी, जिससे भविष्य

में कोई इस तरह की घटना को अंजाम देने से पहले सोचे। दिव्या दत्ता ने कहा कि ऐसी घटनाओं से लोगों में डर पैदा होता है। हर व्यक्ति को सुरक्षित महसूस करने की जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं और टाइगर सुरक्षित हैं। 18 अक्टूबर की शाम को मुंबई के जुहू इलाके में बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर अज्ञात हमलावरों द्वारा फायरिंग की गई थी। इस हमले में टाइगर श्रॉफ पूरी तरह सुरक्षित रहे, हालांकि उनकी कार के शीशे टूटने और बारूद की वजह से उनके हाथों और छाती पर मामूली चोटें आईं। घटना में उनका ड्राइवर फिरदौस और पास में खड़ा एक राहगीर घायल हो गए थे। दीपक ने सवाल उठाया कि आखिर एक्टर्स यहां काम करने आते हैं या निशाना बनने के लिए? उन्होंने कहा कि अगर किसी गैंग को कोई परेशानी है, तो उसे सामने बैठकर बातचीत से मामला सुलझाना चाहिए।

टाइगर पर फायरिंग की घटना से कई सेलेब्स ने चिंता जताई

बता दें कि टाइगर पर फायरिंग की घटना पर कई सेलेब्स ने रिएक्शन दिया। सुनील शेट्टी ने टाइगर श्रॉफ पर हुई फायरिंग की घटना पर चिंता जताते हुए कहा था, "पूरी दुनिया टाइगर और जैकी दादा से प्यार करती है। अगर उनके साथ ऐसा हो सकता है, तो किसी के साथ भी ऐसा हो सकता है। ऐसा बिल्कुल नहीं होना चाहिए था।" सुनील ने कहा कि जैकी श्रॉफ उनके बचपन के दोस्त हैं। उन्हें राहत है कि टाइगर ठीक हैं।

टाइगर श्रॉफ पर हुई फायरिंग की घटना पर दिग्गज एक्टर दीपक पराशर ने कहा था कि इस घटना से उन्हें बहुत बुरा लगा। टाइगर एक अच्छे इंसान हैं और उनके पिता जैकी श्रॉफ उनके काफी करीबी हैं। उन्होंने जैकी को मैसेज भेजकर भी अपनी चिंता जाहिर की।

भारत नाराज, रिपोर्ट बनाने वाले अधिकारी पर चीन से पैसे लेने का आरोप

यूएन रिपोर्ट में दाऊद की डी-कंपनी को भारतीय गिरोह बताया गया

आपत्ति

न्यूयॉर्क, एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र (UN) की एक रिपोर्ट पर कड़ी आपत्ति जताई है। इसमें अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम के गिरोह डी-कंपनी को भारत में मौजूद अपराधी संगठन बताया गया था।

भारत ने बुधवार को कहा कि यह बात गलत है और इससे साबित करती हुई कोई जानकारी रिपोर्ट में नहीं दी गई। भारत ने कही कि ऐसी गलतियों से संयुक्त राष्ट्र की छवि को नुकसान पहुंचता है। यह रिपोर्ट बेन सॉल ने जुलाई 2026 में तैयार की थी। इसे अक्टूबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के 81वें सत्र के दौरान पेश किया गया था।

संयुक्त राष्ट्र में बुधवार को भारत के प्रतिनिधि रघु पुरी ने UN रिपोर्ट पर आपत्ती जताई।

बेन सॉल ऑस्ट्रेलिया की सिडनी यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रोफेसर हैं। उन्हें मिलने वाली आर्थिक मदद को लेकर भी सवाल उठे हैं।

संयुक्त राष्ट्र के कामकाज पर नजर रखने वाले यूएन वॉच ने मई 2026 में एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें आरोप लगाया गया कि चीन की सरकार ने 2024 में सॉल को 1.5 लाख डॉलर दिए थे। रिपोर्ट में चीन को उनका सबसे बड़ा आर्थिक मददगार बताया गया। रघु पुरी ने कहा कि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश अब मानवाधिकारों और आतंकवाद से निपटने के नियमों का सहारा लेकर अपने कामों को सही ठहराने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मानवाधिकारों के नाम पर आतंकवाद फैलाने वालों और कट्टरपंथ को बढ़ावा देने वालों को बचाया नहीं जा सकता।

पुरी बोले- दाऊद के भारत छोड़ने की बात रिपोर्ट में नहीं

पुरी ने कहा कि दाऊद 2003 में संयुक्त राष्ट्र की सूची में शामिल किए जाने से काफी पहले भारत छोड़ चुका था। इसके बाद विदेश में रहते हुए उसे अल-कायदा और उसके सरगना ओसामा बिन लादेन से संबंधों के कारण सूची में डाला गया था। पुरी के मुताबिक, रिपोर्ट में इस अहम जानकारी का जिक्र नहीं किया गया। ऐसी लापरवाही संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठन को नुकसान पहुंचाती है। भारत ने यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र की सूची में दाऊद के रहने की जगह के बारे में जो जानकारी दी गई है, वह उस देश की ओर इशारा करती है जहां ओसामा बिन लादेन मिला था और मारा गया था। यह पाकिस्तान का संदर्भ था। बिन लादेन को 2011 में अमेरिकी सेना ने पाकिस्तान के एबटाबाद में मार गिराया था।

बेन सॉल 11 दिसंबर 2024 को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र के यूरोपीय मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बोलते हुए।

भारत बोला- दाऊद 1993 से वांटेड, देश छोड़कर भागा

संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति की बैठक में बुधवार को भारत के प्रतिनिधि रघु पुरी ने यह मुद्दा उठाया।

भारत ने रिपोर्ट के उस हिस्से पर सवाल उठाया, जिसमें कहा गया था कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 2003 में अल-कायदा से संबंधों के कारण भारत में मौजूद डी-कंपनी के सरगना को अपनी प्रतिबंध सूची में शामिल किया था। रघु पुरी ने कहा कि डी-कंपनी को भारत में मौजूद संगठन बताने से लोगों के सामने गलत तस्वीर जाती है। दाऊद इब्राहिम और उसका गिरोह 1993 के मुंबई बम धमाकों से जुड़े मामले में भारत में वांटेड हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंध सूची में भी दाऊद से जुड़ी जानकारी दी गई है।

जियो आईपीओ को दो दिन में मिला 3.5 गुना सब्सक्रिप्शन

आम निवेशकों का कोटा भी पूरा भरा

नई दिल्ली, एजेंसी

देश का सबसे बड़ा आईपीओ 'जियो प्लेटफॉर्म्स' दूसरे दिन सुबह 11:00 बजे तक 3.50 गुना भर गया है। कंपनी के 19.75 करोड़ शेयरों के मुकाबले 69.08 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां मिल चुकी हैं। संस्थागत निवेशकों का कोटा 9.42 गुना, गैर-संस्थागत हिस्सा 2.42 गुना और रिटेल पोर्शन 1.02 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। यह इश्यू 23 अक्टूबर तक खुला रहेगा।

जियो इस आईपीओ के जरिए कुल 30,213 करोड़ जुटा रही है। हालांकि, इश्यू खुलने से ठीक पहले कंपनी ने एंकर इन्वेस्टर्स को शेयर जारी करके 8,110 करोड़ का फंड जुटा लिया था।

एंकर कोटा हटने के बाद प्राइमरी मार्केट में आम जनता और संस्थागत खरीदारों के लिए करीब 22,103 करोड़ का नेट इश्यू ही रखा गया है, जिस पर लगातार बोलियां लग रही हैं। आईपीओ पहले दिन यानी 21 अक्टूबर को ही 3.02 गुना भर i/e था। 19.75 करोड़ शेयरों के बदले 59.68 करोड़ शेयरों की मांग आई थी। दूसरे दिन की शुरुआत में संस्थागत निवेशकों की भारी बिडिंग की वजह से यह आंकड़ा 3.50 गुना के पार पहुंच गया।

जियो के एक शेयर की कीमत यानी प्राइस बैंड 1,065 से 1,119 है। आम निवेशक को शेयर खरीदने के लिए कम से कम 13,428 लगाने होंगे, जबकि अधिकतम 14 लॉट यानी 168 शेयर के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

फास्ट न्यूज

अमेरिकी पोस्टल सर्विस ने दिवाली पर जारी किया डाक टिकट

वॉशिंगटन। अमेरिकी डाक सेवा ने दिवाली के उपलक्ष्य में एक डाक टिकट जारी किया है। इसपर ह्यूस्टन में रहने वाली कलाकार संगीता भूताडा द्वारा बनाई गई एक बेहद सुंदर रंगोली का डिजाइन है। बुधवार शाम को यहां भारतीय दूतावास में आयोजित एक कार्यक्रम में, अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा, अमेरिकी डाक सेवा की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट शिबानी गंभीर और संगीता भूताडा ने इस डाक टिकट का अनावरण किया।

सोना 3 दिन में 3 हजार, चांदी 9 हजार सस्ती

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में 22 अक्टूबर को लगातार तीसरे कारोबारी दिन गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 953 रुपए गिरकर 1.43 लाख रुपए पर आ गया है।

एक किलो चांदी की कीमत 8,002 रुपए घटकर 2.01 लाख रुपए हो गई है। वहीं तीन दिन में सोना 3,200 हजार रुपए और चांदी 10 हजार रुपए सस्ती हुई है। कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के अनुसार डॉलर के मुकाबले रुपया मजबूत होना और कच्चे तेल के दाम में तेजी इसका मुख्य कारण हैं।

श्रीलंका में 7 भारतीय गिरफ्तार

कोलंबो। श्रीलंकाई नौसेना ने गुरुवार को बताया कि उसने 2,400 किलो केंदू के पत्तों की तस्करी की कोशिश कर रहे सात भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। श्रीलंकाई नौसेना ने कहा, 'यह अभियान वेस्टर्न नेवल कमांड को मिली जानकारी के आधार पर चलाया गया था। दो संदिग्ध भारतीय नौकाओं और इलाके में मौजूद दो स्थानीय छोटी नावों को देखे जाने के बाद उन्हें रोका गया।'

होर्मुज में जहाज पर हमला 21 भारतीय सवार थे

नई दिल्ली, एजेंसी

होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे कुवैत के झंडे वाले तेल टैंकर M/T अल दसमा पर बुधवार को अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ।

जहाज पर 21 भारतीय नाविक समेत बाकी क्रू मेंबर भी सवार थे। हमले के बाद टैंकर में आग लग गई, जिसे बाद में बुझा दिया गया। सभी भारतीय नाविक और बाकी क्रू मेंबर सुरक्षित हैं।

अक्टूबर में भारतीय नाविकों वाले जहाजों पर हमले की यह पांचवीं घटना है। इन हमलों में अब तक 11 भारतीय घायल हुए हैं और 2 भारतीय लापता हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच भारत ने व्यापारिक जहाजों और उन पर काम करने वाले नाविकों पर हमलों को लेकर कई बार चिंता जताई है। भारत ने व्यापारिक जहाजों पर हमलों को कानूनी और नैतिक, दोनों लिहाज से गलत बताया है। सरकार का कहना है कि समुद्र में काम करने वाले नाविकों की सुरक्षा और समुद्री रास्तों से जहाजों की आवाजाही की आजादी बनाए रखना जरूरी है। विदेश मंत्रालय ने व्यापारिक जहाजों, नाविकों और आम लोगों के इस्तेमाल वाले बुनियादी ढांचे पर हमले तुरंत रोकने की अपील की है। मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों से व्यापारिक जहाजों की सुरक्षित और बिना रुकावट आवाजाही सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया है।

तेल टैंकर में आग लगी अक्टूबर में भारतीय नाविकों वाले जहाजों पर 5 हमले हुए

बोले- लेखन के लिए सम्मान मिलना चाहिए था, अब तक 19 किताबें लिख चुके हैं

नोबेल के बाद अब पुलित्जर न मिलने से ट्रम्प नाराज

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि उन्हें लेखन के लिए पुलित्जर पुरस्कार मिलना चाहिए था। ट्रम्प ने बुधवार को एक रैली में रूस से जुड़ी जांच की रिपोर्टिंग के लिए पुलित्जर जीतने वाले पत्रकारों की आलोचना की। साथ ही, कई युद्ध रुकवाने का श्रेय लेते हुए एक बार फिर नोबेल शांति पुरस्कार न मिलने पर नाराजगी जताई। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि पत्रकारों ने इस मामले में गलत रिपोर्टिंग की थी और उन्हें इसके लिए पुरस्कार नहीं मिलना चाहिए था। ट्रम्प अब तक 19 किताबें लिख चुके हैं। इनमें 1987 में आई द आर्ट ऑफ द डील सबसे चर्चित है। 2026 में आधिकारिक सूची के मुताबिक, पुलित्जर पुरस्कार कुल 25 पुरस्कारों के रूप में दिए गए थे। इनमें पत्रकारिता, किताबों, नाटक, संगीत और एक विशेष सम्मान की श्रेणियां शामिल थीं।

इन पुरस्कारों में ट्रम्प सरकार की नीतियों और उसके कामकाज पर की गई रिपोर्टिंग को भी सम्मान मिला।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने बुधवार को दक्षिण कैरोलिना में एक रैली में रिपब्लिकन पार्टी के समर्थकों को संबोधित किया।

पुलित्जर पुरस्कार पत्रकारिता के सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में गिना जाता है। हालांकि यह किताबों, नाटक और संगीत के लिए भी दिया जाता है।

सोशल मीडिया पर ट्रम्प का मजाक उड़ा

पुलित्जर पुरस्कार के लिए ट्रम्प के दावे पर सोशल मीडिया यूजर्स ने उनका मजाक उड़ाया। कुछ लोगों ने उनके लेखन की क्षमता पर सवाल उठाए। एक यूजर ने लिखा, जो व्यक्ति बच्चों की किताब तक नहीं लिख सकता, उसे लगता है कि उसे पुलित्जर मिलना चाहिए?

एक अन्य यूजर ने ट्रम्प के बोलने के तरीके पर तंज कसते हुए लिखा, ₹ट्रम्प लेखन के लिए पुलित्जर चाहते हैं? वे अंग्रेजी भाषा के साथ ऐसा बर्ताव करते हैं, जैसे उसे बंधक बना लिया हो। उनके वाक्यों को समझने के लिए तो खोजी दल की जरूरत पड़ेगी।

रूसी मामले पर 2018 में 2 अखबारों को मिला था पुलित्जर

ट्रम्प ने रैली में रूस से जुड़े मामले पर अवार्ड पाने का जिक्र किया यह 2018 का मामला है। 2018 में द न्यूयॉर्क टाइम्स और द वॉशिंगटन पोस्ट को रूस से जुड़ी खबरों के लिए पुलित्जर पुरस्कार मिला था। इन अखबारों ने अपनी खबरों में बताया था कि 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रूस ने दखल दिया था और उसकी जांच में ट्रम्प की चुनावी टीम के संबंधों की पड़ताल की गई थी। ट्रम्प इन खबरों को गलत बताते हैं। उन्होंने पुरस्कार वापस लेने की मांग भी की थी। लेकिन 2022 में पुलित्जर बोर्ड ने जांच के बाद उनकी मांग खारिज कर दी। बोर्ड ने कहा कि उसे ऐसा कोई सबूत नहीं मिला, जिससे साबित हो कि पुरस्कार जीतने वाली खबरें बाद में गलत साबित हुई थीं।

1 भारतीय समेत 3 की मौत, 10 घायल, 16 दिन में यहां 6 बड़े हमले

सऊदी के एयरपोर्ट तेल ठिकाने पर हूती विद्रोहियों का हमला

रियाद, एजेंसी

सऊदी अरब में बुधवार देर रात एक एयरपोर्ट और एक तेल ठिकाने पर हुए हमलों में एक भारतीय समेत 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं 10 लोग घायल हुए हैं। इसमें 3 भारतीय भी हैं। दम्माम शहर के किंग फहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हमले में एक भारतीय की मौत हुई। वहीं दो भारतीयों समेत 8 लोग घायल हुए।

वहीं, अरामको के तेल ठिकाने पर ड्रोन हमले में नेपाल और फिलीपींस के एक-एक नागरिक की जान गई। यहां एक भारतीय समेत 2 लोग घायल हुए।

इस महीने हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के बड़े एयरपोर्ट और दूसरी अहम जगहों पर मिसाइलों और अन्य हथियारों से हमले किए हैं।

इन हमलों के बीच अमेरिका ने अपने कुछ राजनयिकों और सरकारी कर्मचारियों को परिवारों के साथ सऊदी अरब छोड़ने को कहा है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि मंत्रालय के कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है। मंत्रालय ने हूती विद्रोहियों की ओर से नागरिक एयरपोर्ट और दूसरी जरूरी सुविधाओं पर हो रहे हमलों को कर्मचारियों को हटाने की वजह बताया है। अमेरिकी दूतावास फरवरी के आखिर में ईरान के खिलाफ शुरू हुए अमेरिकी युद्ध के शुरुआती दौर में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था।

इस महीने हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर 6 बड़े हमले किए हैं। इन हमलों में कम से कम 23 लोगों की मौत हुई है और 370 घायल हुए हैं।

सऊदी अरब के दमाम एयरपोर्ट पर हमले के बाद आसमान में धुएं का गुबार उठता नजर आया।

एयरपोर्ट पर हमले के बाद विमानों का रास्ता बदला

सऊदी अरब के सिविल एविएशन अथॉरिटी ने गुरुवार को एयरपोर्ट पर हमले की जानकारी दी। इसमें एयरपोर्ट को भी नुकसान पहुंचा है।

दम्माम, फारस की खाड़ी के तट पर स्थित है। यह बहरीन और कतर के करीब है। दुनियाभर की उड़ानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटरडार24 ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बताया कि हमले के बाद विमानों को दूसरे रास्तों से भेजा जा रहा है।

इसके अलावा सऊदी अरब के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने बताया कि उसने देश के पूर्वी इलाके में चार ड्रोन हमलों को नाकाम किया है।

'बिस्मिल्लाह से ले तेनैब्रे' फ्रांस के आंदोलन का नारा बना

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस के छात्र आंदोलन में एक अजीब-सा नारा 'बिस्मिल्लाह, से ले तेनैब्रे' वायरल हो गया। Gen-Z छात्र पुलिस को चिढ़ाने के लिए इस नारे का इस्तेमाल कर रहे हैं।

दोनों को मिलाकर इसका मोटा-मोटा अर्थ 'अल्लाह के नाम पर यह अंधकार है' निकलता है। हालांकि, यह फ्रांसीसी भाषा का कोई वाक्य नहीं है। इसकी अटपटी बनावट और अजीब शब्दों के मेल की वजह से लोग इसका मजाक उड़ा रहे हैं।

भारत में भी जुलाई में छात्र आंदोलन के दौरान 'वास्तेगुना हुइंया' स्लैंग चर्चित हुआ था। इसका भी कोई खास मतलब नहीं था। यह वायरल हुए अंग्रेजी वाक्य 'केन आई गेट ए होया' का बिगड़ा हुआ रूप था। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक यह नारा सबसे पहले सोशल मीडिया स्नैपचैट पर इस्तेमाल किया था।

एक व्यक्ति ने पिछले महीने छात्र प्रदर्शन आयोजित करने वालों के प्राइवेट चैट ग्रुप में शामिल होने के लिए स्नैपचैट पर कुछ लोगों को मैसेज भेजे। उसने लिखा, 'बिस्मिल्लाह, से ले तेनैब्रे।' इसके बाद उसने कहा, 'हम सब कुछ तोड़ देंगे।' उसने अलग-अलग नामों से कई प्रोफाइल बनाकर ये मैसेज भेजे। इनमें मामादू और अब्देल्लाह जैसे नाम शामिल थे। कुछ प्रोफाइल पर अल्जीरिया के झंडे वाले इमोजी भी लगे थे। मैसेज की भाषा और अंदाज कुछ स्नैपचैट यूजर्स को अजीब और मजेदार लगे। उन्होंने इन मैसेज के स्क्रीनशॉट लिए और सोशल मीडिया पर शेयर कर दिए। इसके बाद यह वाक्य चर्चा में आ गया।

समझौता : चारों देशों के बीच करार ■ अब पाक मुस्लिम देशों के साथ साझेदारी बढ़ा रहा

पाकिस्तान, तुर्किये, कतर और इंडोनेशिया मिलकर बनाएंगे हथियार

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान, तुर्किये, कतर और इंडोनेशिया अब मिलकर हथियार बनाएंगे। चारों देशों ने बुधवार को कतर की राजधानी दोहा में बद्र समझौता किया। इसके तहत हथियारों का साझा उत्पादन, सैन्य तकनीक का लेनदेन और रक्षा क्षेत्र में ट्रेनिंग और रिसर्च की जाएगी।

मक्का पैक्ट के बाद पाकिस्तान की मुस्लिम बहुल देशों के साथ यह बढ़ती साझेदारी क्षेत्र में नए रक्षा समीकरण बना सकती है। इसका मकसद हथियारों के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता घटाना और अपनी सैन्य ताकत बढ़ाना है।

रक्षा उद्योग के जानकार अर्दा मेवलुतोग्लू के मुताबिक, चारों देशों की अपनी-अपनी ताकत है। तुर्किये के पास हथियार बनाने की आधुनिक तकनीक, सैन्य सिस्टम तैयार करने का अनुभव और मजबूत रक्षा उद्योग है। पाकिस्तान और इंडोनेशिया के पास हथियार बनाने की क्षमता, लेबर और बड़े घरेलू बाजार हैं।

वहीं, कतर के पास इस क्षेत्र में निवेश करने के लिए पैसा और हथियार खरीदने की क्षमता है।

इन खूबियों को मिलाकर चारों देश हथियारों के उत्पादन और उनकी देखरेख के लिए एक साझा व्यवस्था तैयार कर सकते हैं। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटजिक स्टडीज के रिसर्च एसोसिएट अल्बर्ट विडाल के मुताबिक, पाकिस्तान और इंडोनेशिया तुर्किये के हथियार खरीदने के साथ उनका कुछ हिस्सा अपने देश में भी बनाना चाहते हैं।

कतर के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इस समझौते का मकसद चारों देशों की हथियार बनाने की क्षमता बढ़ाना और रक्षा उद्योग में आपसी सहयोग मजबूत करना है। इसके तहत चारों देश अपने संसाधनों, तकनीक, कामगारों और निवेश का इस्तेमाल एक-दूसरे की मदद के लिए करेंगे।

कतर, इंडोनेशिया, पाकिस्तान और तुर्किये ने बुधवार को बद्र एग्रीमेंट पर साइन किए।

पहले से चल रही रक्षा साझेदारी को बढ़ावा मिलेगा

तुर्किये का रक्षा उद्योग दुनिया के विकसित रक्षा उद्योगों में शामिल है। वह पहले से ही कतर, पाकिस्तान और इंडोनेशिया के साथ अलग-अलग रक्षा प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा है। कतर और तुर्किये ने अक्टूबर 2025 में भी रक्षा उद्योग में सहयोग के लिए एक समझौता किया था।

फ्रांस में हिंसक प्रदर्शनों के बीच भारतीयों के लिए एडवाइजरी

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस में हिंसक प्रदर्शनों और कर्फ्यू के बीच भारतीय दूतावास ने वहां रहने और घूमने गए भारतीयों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने लोगों से सतर्क रहने. प्रदर्शन वाली जगहों और भीड़भाड़ से दूर रहने को कहा है। वहीं, प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने 24 अक्टूबर को होने वाले नए प्रदर्शनों से पहले बड़े पैमाने पर पुलिस बल तैनात करने को कहा है।

पेरिस में भारतीय दूतावास ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि फ्रांस में हाल के घटनाक्रम और कुछ इलाकों में कर्फ्यू को देखते हुए भारतीय नागरिक सावधानी बरतें।

वे उन जगहों पर जाने से बचें, जहां प्रदर्शन हो रहे हैं। साथ ही, फ्रांस के स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें। दूतावास ने भारतीयों से अलग-अलग शहरों में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में रुकावट की जानकारी लेते रहने को कहा है। आपात स्थिति में मदद के लिए पेरिस में भारतीय दूतावास और मार्सेई में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। फ्रांस में बढ़ती महंगाई और स्कूलों की खराब स्थिति को लेकर प्रदर्शन हो रहे हैं। पिछले कई दिनों से जारी हिंसा के बाद सरकार ने कुछ इलाकों में कर्फ्यू बढ़ा दिया है और सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी है। CBS न्यूज के मुताबिक, फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने माना कि अधिकारियों ने हिंसा की गंभीरता का सही अंदाजा नहीं लगाया था।

भीड़ से दूर रहने की सलाह, 24 अक्टूबर के प्रदर्शन से पहले भारी पुलिस तैनात

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676